प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-161 | सांध्य दैनिक | मथुरा, गुरुवार, 6 अगस्त 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

18 साल बाद छाता में विप्रा लॉन्च करेगा सबसे बड़ी आवासीय योजना

117 हेक्टेयर में विकसित होगी आधुनिक टाउनशिप, 102 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण पूरा

छाता में विप्रा की प्रस्तावित टाउनशिप का मॉडल।

लक्ष्मी नागप्पन, एमवीडीए उपाध्यक्ष

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा–वृंदावन विकास प्राधिकरण (एमवीडीए) करीब 18 वर्ष बाद अपनी सबसे बड़ी आवासीय योजना छाता में लॉन्च करने की तैयारी में है। राष्ट्रीय राजमार्ग–19 के निकट विकसित की जा रही इस महत्वाकांक्षी योजना के लिए भूमि अधिग्रहण का कार्य अंतिम चरण में पहुंच गया है। अब तक 117 हेक्टेयर प्रस्तावित क्षेत्र में से 102 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण पूरा हो चुका है, जबकि शेष भूमि का अधिग्रहण भी जल्द पूरा होने की उम्मीद है। भूमि अधिग्रहण में तेजी आने के बाद प्राधिकरण ने योजना को बाजार में उतारने की तैयारियां तेज कर दी हैं।

एमवीडीए ने सितंबर 2024 में इस परियोजना की प्रक्रिया शुरू की थी। शुरुआती चरण में दिसंबर 2025 तक लगभग 60 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण हुआ था, लेकिन पिछले सात महीनों में प्रक्रिया ने रफ्तार पकड़ी। वर्तमान उपाध्यक्ष लक्ष्मी नागप्पन के नेतृत्व में अभियान तेज होने से अब तक 102 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहित की जा चुकी है। योजना के लिए करीब 350 किसानों ने अपनी सहमति देकर भूमि उपलब्ध कराई है। एमवीडीए की उपाध्यक्ष लक्ष्मी नागप्पन ने बताया कि रुक्मिणी विहार आवासीय योजना के बाद यह प्राधिकरण की सबसे बड़ी आवासीय परियोजना होगी। आधुनिक टाउनशिप के रूप में विकसित होने वाली इस योजना में आवासीय और व्यावसायिक भूखंडों के अलावा ग्रुप हाउसिंग, विद्यालय, महाविद्यालय, अस्पताल, होटल, सुपर मार्केट, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, ईडब्ल्यूएस आवास और अन्य सामुदायिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इसका उद्देश्य लोगों को एक ही परिसर में आधुनिक शहरी सुविधाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि छाता की यह योजना कोकिलावन शनिधाम, बरसाना और नंदगांव जैसे प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थलों के निकट स्थित है। इसके अलावा राष्ट्रीय राजमार्ग से सीधा संपर्क होने के कारण भविष्य में इस क्षेत्र की आवासीय और व्यावसायिक संभावनाएं तेजी से बढ़ने की उम्मीद है। प्राधिकरण का मानना है कि यह परियोजना न केवल क्षेत्र के सुनियोजित विकास को नई गति देगी, बल्कि निवेशकों और घर खरीदने के इच्छुक लोगों के लिए भी आकर्षक विकल्प साबित होगी।

तीन दिवसीय ब्रज प्रवास पर कल आएंगे पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ

बांकेबिहारी, राधारमण समेत प्रमुख मंदिरों में करेंगे दर्शन–पूजन

रुक्मिणी विहार स्थित आश्रम का करेंगे उद्घाटन सुरक्षा तैयारियां तेज

यूनिक समय, मथुरा। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद शुक्रवार से नौ अगस्त तक तीन दिवसीय आध्यात्मिक प्रवास पर श्रीधाम वृंदावन आएंगे। इस दौरान वह ब्रज के प्रमुख मंदिरों, आश्रमों और धार्मिक स्थलों में दर्शन–पूजन करेंगे। रुक्मिणी विहार स्थित सिग्नेचर वृंदावन धाम का उद्घाटन भी करेंगे। दौरे को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस ने सुरक्षा-व्यवस्थाओं की तैयारियां तेज कर दी हैं। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, पूर्व राष्ट्रपति सात अगस्त की सुबह नई दिल्ली से सड़क मार्ग द्वारा वृंदावन के लिए रवाना होंगे। जेवर टोल प्लाजा पर संक्षिप्त विश्राम के बाद दोपहर में विवांता होटल पहुंचेंगे।
शाम को वह बांकेबिहारी मंदिर में ठाकुरजी के दर्शन, पूजा–अर्चना करेंगे। इसके बाद प्रेम मंदिर पहुंचकर दर्शन करेंगे, फिर धनुका आश्रम में आयोजित भव्य रासलीला का अवलोकन करेंगे। आठ अगस्त को रामकृष्ण मिशन में संतों से मुलाकात करने के बाद पूर्व राष्ट्रपति रुक्मिणी विहार स्थित सिग्नेचर वृंदावन धाम का उद्घाटन करेंगे। दोपहर में विश्राम के बाद शाम को आयोजित रामकथा में शामिल होंगे, बाद में पुराने इस्कॉन मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन करेंगे। नौ अगस्त को अपने प्रवास के अंतिम दिन वह व्यजयंती आश्रम, पुंडरीक महाराज आश्रम और श्रीराधारमण मंदिर में दर्शन करेंगे। इसके बाद निधिवन और सेवा कुंज का भ्रमण करेंगे। उनके साथ पत्नी सविता कोविंद और पुत्री स्वाति कोविंद भी रहेंगी।

रेलवे ट्रेक पर अज्ञात शव मिला

यूनिक समय, मथुरा। राजकीय रेलवे पुलिस ने जाजम पट्टी यार्ड के समीप रेलवे ट्रेक से एक अज्ञात युवक का शव बरामद किया है। युवक की मौत ट्रेन से कट कर हुई है।

राजकीय रेलवे पुलिस को जाजम पट्टी रेलवे यार्ड के समीप रेलवे ट्रेक पर एक अज्ञात युवक का पड़े होने की जानकारी मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की तलाशी की, लेकिन उसके पास से कोई भी ऐसी वस्तु बरामद नहीं हुई जिससे उसकी शिनाख्त हो पाती। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

खाद्य विभाग टीम की कार्रवाई

400 किलो पेड़ा नष्ट कराया, छह नमूने भरे

कई स्थानों पर चला अभियान

मिठाई की दुकान पर जांच करती खाद्य विभाग की टीम।

यूनिक समय, मथुरा। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की टीम ने मथुरा और गोवर्धन क्षेत्र में आटा मिलों और मिठाई की दुकानों पर जांच अभियान चलाया। इस दौरान खाद्य पदार्थों के छह नमूने जांच को भेजे गए, जबकि बरसाना में अस्वच्छ परिस्थितियों में रखा करीब 400 किलो पेड़ा नष्ट कराया गया।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने सहायक आयुक्त खाद्य डॉ. जतिन कुमार सिंह के निर्देशन और मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी केके त्रिपाठी के नेतृत्व में अभियान में भोले शंकर राइस एंड जनरल मिल्स (कंचनपुरा, गोवर्धन), अग्रवाल ट्रेडर्स (बरसाना रोड, गोवर्धन), ओम एग्रोटेक (गोवर्धन), लक्ष्मी फ्लोर मिल (इंडस्ट्रियल एस्टेट, बरारी) और गोवर्धन फ्लोर मिल (रिफाइनरी इंडस्ट्रियल एरिया, मथुरा) का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान मैदा, रवा, तंदूरी आटा और गेहूं के आटे के एक–एक नमूने जांच को भेजे गए। साथ ही बरसाना के मिठाई प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई करते हुए पेड़े के दो नमूने भी संग्रहित किए गए और करीब चार सौ किलो पेड़ा नष्ट कराया गया। संग्रहित सभी छह नमूने जांच के लिए राजकीय खाद्य प्रयोगशाला भेजे गए हैं। जांच रिपोर्ट आने के बाद संबंधित प्रतिष्ठानों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। अभियान में खाद्य सुरक्षा अधिकारी धर्मेंद्र सिंह, अरुण कुमार राणा, जितेंद्र सिंह, रामनरेश, दिनेश कुमार भारती, मोहर सिंह कुशवाह, रीना शर्मा और नेहा शामिल रहीं।

लखनऊ–कानपुर एक्सप्रेस–वे पर सड़क धंसने का मामला

एक्सप्रेस–वे धंसने पर पीएनसी इंफ्राटेक पर एनएचएआई सख्त

नॉन–परफॉर्मर घोषित करने की प्रक्रिया शुरू अधिकारियों पर भी कार्रवाई

आईआईटी खड़गपुर करेगी जांच, सुरक्षित होने तक टोल वसूली पर रोक

यूनिक समय, आगरा। लखनऊ–कानपुर एक्सप्रेस-वे पर बारिश के दौरान कई स्थानों पर सड़क धंसने की घटनाओं के बाद भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने निर्माण कंपनी पीएनसी इंफ्राटेक के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। सड़क निर्माण की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठने के बाद कंपनी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, एनएचएआई ने पीएनसी इंफ्राटेक को नॉन–परफॉर्मर घोषित करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। यदि यह कार्रवाई पूरी होती है तो कंपनी के लिए भविष्य में एनएचएआई की नई परियोजनाएं हासिल करना कठिन हो सकता है।

एनएचएआई ने कंपनी की परफॉर्मेंस सिक्योरिटी पर दो प्रतिशत तक जुर्माना लगाने का प्रस्ताव भी तैयार किया है। इसके साथ ही परियोजना से जुड़े अधिकारियों के खिलाफ तीन वर्ष तक डिबारमेंट की कार्रवाई का प्रस्ताव रखा गया है।

प्राधिकरण ने स्पष्ट किया है कि जब तक एक्सप्रेस-वे पूरी तरह सुरक्षित और दुरुस्त नहीं हो जाता, तब तक इस मार्ग पर टोल टैक्स की वसूली नहीं की जाएगी। इससे पहले 63 किलोमीटर लंबे इस एक्सप्रेस-वे पर कारों से एक तरफ का 290 रुपये टोल लिया जा रहा था।

कार्रवाई के तहत परियोजना से जुड़े कई अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से हटा दिया गया है। इनमें प्रोजेक्ट मैनेजर विवेक कुमार गुप्ता, इंजीनियर सुरेंद्र कुमार और रेजिडेंट इंजीनियर यतेंद्र कुमार शामिल हैं। इन अधिकारियों को अगले दो वर्षों तक एनएचएआई की किसी भी परियोजना में शामिल नहीं किया जाएगा। वहीं, पूर्व प्रोजेक्ट मैनेजर नकुल प्रकाश वर्मा को उनके मूल विभाग में वापस भेज दिया गया है, पूर्व प्रोजेक्ट मैनेजर सौरभ चौरसिया समेत अन्य संबंधित अधिकारियों को भी नोटिस जारी किए गए हैं। बार–बार सड़क धंसने के वास्तविक कारणों की जांच के लिए आईआईटी खड़गपुर के विशेषज्ञों की टीम को जिम्मेदारी सौंपी गई है। टीम सड़क की डिजाइन, निर्माण सामग्री, ड्रेनेज व्यवस्था और तकनीकी मानकों की विस्तृत जांच करेगी। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। गौरतलब है कि पीएनसी इंफ्राटेक के मालिक आगरा के पूर्व मेयर- राज्यसभा सदस्य नवीन जैन के भाई प्रदीप जैन हैं।

पार्षदों संग नगर आयुक्त ने की विकास कार्यों की समीक्षा

भूतेश्वर जोन के पार्षदों के साथ समस्याओं पर मंथन करते नगर आयुक्त ओजस्वी राज।

भूतेश्वर जोन की जनसमस्याओं के समाधान के दिए निर्देश

सफाई, सीवर, पेयजल सड़क और प्रकाश व्यवस्था को लेकर किया मंथन

यूनिक समय, मथुरा। नगर निगम के भूतेश्वर कार्यालय में गुरुवार को नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने भूतेश्वर जोन के पार्षदों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में वार्डों के विकास कार्यों और स्थानीय नागरिकों की समस्याओं को लेकर चर्चा हुई।

नगर आयुक्त ने अधिकारियों को आवश्यक कार्यों में तेजी लाकर लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश देते हुए सफाई व्यवस्था, नालों और नालियों की सफाई, सीवर व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति, सड़क मरम्मत, स्ट्रीट लाइट और अन्य नागरिक सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने सभी पार्षदों से उनके वार्डों की स्थिति, चल रहे कार्यों और लोगों की प्रमुख समस्याओं की जानकारी ली। बैठक में पार्षदों ने अपने-अपने क्षेत्रों से जुड़े मुद्दों और नागरिकों की जरूरतों को नगर आयुक्त के सामने रखा। नगर आयुक्त ने सभी सुझावों को सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों के सहयोग से वार्डों की मूलभूत समस्याओं का स्थायी और प्रभावी समाधान कराया जाएगा, ताकि लोगों को बार-बार एक जैसी परेशानियों का सामना न करना पड़े। बैठक में अपर नगर आयुक्त सुनीता कुमारी, अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह, अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार और सहायक नगर आयुक्त नीरज शर्मा सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

जन्माष्टमी पर भंडारा लगाने को 25 अगस्त तक लें अनुमति

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महापर्व को स्वच्छ, सुव्यवस्थित और श्रद्धालुओं के लिए सुविधाजनक बनाने के लिए नगर निगम ने भूतेश्वर मुख्यालय के सभागार में भंडारा संचालकों के साथ बैठक की।

नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने कहा कि जन्माष्टमी के दौरान सभी भंडारों में एकरूपता दिखाई देनी चाहिए। इसके लिए नगर निगम द्वारा तय डिजाइन और रंग के अनुसार ही टेंट-बैनर लगाए जाएं। सभी बैनरों पर हम सबने ठाना है, ब्रज को स्वच्छ बनाना है संदेश प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाए। उन्होंने सभी आयोजकों से 25 अगस्त तक भंडारे का पंजीकरण और अनुमति अनिवार्य रूप से लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि इस वर्ष का लक्ष्य स्वच्छ, सुंदर और प्लास्टिक मुक्त मथुरा-वृंदावन बनाना है। सभी आयोजकों को नगर निगम के नियमों का पालन

प्लास्टिक मुक्त आयोजन पर रहेगा जोर

करते हुए आयोजन स्थल और आसपास साफ-सफाई बनाए रखनी होगी। बैठक में बताया गया कि पानी या शरबत की प्याऊ के लिए 250 रुपये, पूड़ी-सब्जी भंडारे के लिए 1100 रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है। सिंगल यूज प्लास्टिक, पॉलीथीन, थर्माकोल और प्लास्टिक ग्लास का उपयोग पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। आयोजन स्थल पर डस्टबिन, अनुमति पत्र, खाद्य सुरक्षा लाइसेंस और आवश्यक विभागीय अनुमतियां रखना अनिवार्य होगा। नियमों के उल्लंघन पर न्यूनतम एक हजार रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा।

बैठक में सहायक नगर आयुक्त अनुज कौशिक, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी नरेंद्र यादव सहित नगर निगम के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

मिशन आरोही में 20 वाहन सीज, 76 के चालान

मिशन आरोही अभियान में पकड़े गए वाहनों के साथ एआरटीओ।

यूनिक समय, मथुरा। सड़क सुरक्षा को मजबूत बनाने और अवैध वाहनों पर शिकंजा कसने के लिए परिवहन विभाग का विशेष प्रवर्तन अभियान मिशन आरोही लगातार प्रभावी कार्रवाई कर रहा है। अभियान के दूसरे दिन भी जिले में बड़े पैमाने पर चेकिंग की गई, जिसमें अनफिट बसों, ओवरलोड वाहनों, बिना वैध दस्तावेजों और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई।

परिवहन आयुक्त के निर्देशानुसार आठ अगस्त तक चल रहे चार दिवसीय विशेष प्रवर्तन अभियान मिशन आरोही के तहत गुरुवार को दूसरे दिन भी सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) राजेश राजपूत के नेतृत्व में जिले के विभिन्न क्षेत्रों में सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान एआरटीओ राजेश राजपूत, एआरटीओ सत्येंद्र सिंह और यात्री कर अधिकारी पूजा सिंह की टीम ने बिना वैध प्रपत्रों के संचालित वाहनों, अनफिट लंबी दूरी की स्लीपर बसों, बिना एएसआरपी अथवा विकृत नंबर प्लेट वाले वाहनों और गंभीर रूप से ओवरलोड वाहनों के खिलाफ कार्रवाई

अनफिट बसों, ओवरलोड वाहनों, नियम तोड़ने वालों पर एआरटीओ ने की सख्त कार्रवाई

करते हुए 20 वाहनों को सीज कर संबंधित थानों में खड़ा कराया। साथ ही बकाया टैक्स, निजी वाहनों के अनधिकृत व्यावसायिक उपयोग, रेलवे स्टेशन और अन्य संवेदनशील स्थानों पर अवैध संचालन, ओवरस्पीडिंग, बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट और अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर 76 वाहनों के चालान किए गए।

एआरटीओ प्रवर्तन ने बताया कि मिशन आरोही का उद्देश्य केवल चालान या वाहन सीज करना नहीं है, बल्कि सड़कों से अनफिट और अवैध वाहनों का संचालन पूरी तरह समाप्त करना है। साथ ही सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना, यात्रियों को सुरक्षित परिवहन सुविधा उपलब्ध कराना और बकाया कर, राजस्व वसूली में पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में कम से कम 30 प्रतिशत वृद्धि करना विभाग का प्रमुख लक्ष्य है।

मांस ले जाती महिला को पकड़ा, गौ मास होने का लगाया आरोप

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाईवे क्षेत्र स्थित नरहौली पुल पर एक मुस्लिम महिला को मांस ले जाते हुए कुछ लोगों ने रोक लिया। महिला पर गौ मास ले जाने का आरोप लगाते हुए हंगामा किया।

गुरुवार को इंटरनेट मीडिया पर वायरल वीडियो में नरहौली पुल से जाती एक महिला को कुछ लोगों ने रोक लिया। महिला को गौ मास ले जाते हुए बताया गया। कुछ ही देर में पुल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। महिला पर गौ मास होने का आरोप लगाया गया। इस मामले में हाईवे पुलिस से जानकारी की गई तो बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

सोसनी हिंडोले में विराजे ठाकुर द्वारकाधीश श्रद्धालुओं को दिए मनोहारी दर्शन

यूनिक समय, मथुरा। सावन मास की भक्ति और उल्लास के बीच गुरुवार को ठाकुर द्वारकाधीश मंदिर में ठाकुर द्वारकाधीश ने सोसनी हिंडोले में विराजमान होकर भक्तों को दर्शन दिए। मनोहारी श्रृंगार और पारंपरिक सेवा के बीच बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने राजाधिराज के दिव्य दर्शन कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। परंपरा के तहत सावन मास के आठवें दिन ठाकुर को सोसनी हिंडोले में विराजमान कराया गया। मंदिर के मीडिया प्रभारी राकेश कुमार तिवारी ने बताया कि शुक्रवार को सायं 5:10 बजे से 5:40 बजे तक ठाकुर महाराज केले के हिंडोले में विराजमान होकर अपने भक्तों को दिव्य दर्शन देंगे।

सोसनी हिंडोले में भक्तों को दर्शन देते भगवान द्वारकाधीश।

नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल पर थिरके श्रोता

यूनिक समय, वृंदावन। साकेतवासी सुदामा दास के 21 वें वार्षिक पुण्यतिथि महोत्सव के चतुर्थ दिवस की श्रीमद् भागवत कथा में श्रीमद् जगतगुरु रामानंदाचार्य काशीपीठाधीश्वर डॉ. स्वामी रामकमलाचार्य वेदांती ने श्रीमद् भागवत कथा में भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाया गया। कथा के दौरान जैसे भगवान का जन्म हुआ तो पूरा पंडाल नंद के आनंद भयो जय कन्हैया लाल की के जयकारों से गूंज उठा। इस दौरान लोग झूमने-नाचने लगे। इस अवसर पर देवराह बाबा के उत्तराधिकारी महंत देवदास बड़े सरकार ने कहा कि अनंत विभूषित सुदामा दास का चरित्र बाद ही निर्मल और प्रेरणादायक है। इस अवसर पर चतुसंप्रदाय अध्यक्ष महंत फूलडोल बिहारी दास ने कहा कि सुदामा दास संपूर्ण समाज के गौरव थे। अध्यक्षता श्रीमद् जगतगुरु द्वाराचार्य नाभा पीठाधीश्वर स्वामी सुतीक्ष्णदास देवाचार्य ने की। इस अवसर पर महंत अमर दास, राम सजीवन दास, किशोर दास और प्रेम नारायण आदि उपस्थित थे।

तीन साल बाद तेल चोरी गिरोह पर सबसे बड़ी आर्थिक कार्रवाई

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा रिफाइनरी की क्रूड ऑयल पाइपलाइन से तेल चोरी के बहुचर्चित मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गिरोह से जुड़ी 19.44 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की है। इस कार्रवाई के साथ ही पुलिस ने संकेत दिए हैं कि गिरोह के अन्य सदस्यों के खिलाफ भी जल्द कानूनी शिकंजा कसा जाएगा।

यह मामला सितंबर 2023 में उस समय सामने आया था, जब सेरसा गांव के पास मथुरा–सलाया क्रूड ऑयल पाइपलाइन में रिसाव की सूचना मिली थी। जांच के दौरान पता चला कि पाइपलाइन में अवैध वाल्व और पाइप लगाकर संगठित तरीके से तेल चोरी की जा रही थी। मामले के खुलासे के बाद फरह पुलिस और एसओजी ने संयुक्त अभियान चलाकर कई आरोपियों को गिरफ्तार किया था।

जांच के दौरान पुलिस ने हजारों लीटर क्रूड ऑयल, लाखों रुपये की नकदी, टैंकर, कार और अन्य उपकरण बरामद किए थे। इसके बाद गिरोह के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में कार्रवाई की गई। वर्ष 2025 में पुलिस ने गिरोह की आर्थिक गतिविधियों और अवैध कमाई की जांच तेज करते हुए चल–अचल संपत्तियों का विस्तृत ब्योरा जुटाया।

अब बुधवार को मथुरा रिफाइनरी की क्रूड ऑयल पाइपलाइन में सेंध

तेल चोरी गिरोह की आर्थिक जड़ें उखाड़ने में जुटी पुलिस

करोड़ों की कुर्की के बाद तेल चोरी गिरोह में मचा हड़कंप

लगाकर तेल चोरी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के खिलाफ फरह पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक आरोपी की 19 करोड़ 44 लाख 16 हजार रुपये की संपत्ति कुर्क कर दी है। पुलिस ने संकेत दिए हैं कि गिरोह के अन्य सदस्यों की अवैध रूप से अर्जित संपत्तियों की भी जांच चल रही है और उनके खिलाफ भी जल्द कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस के अनुसार, मध्य प्रदेश के देवास जिले के सोनकच्छ निवासी तेल कारोबारी अशोक जैन, उनकी पत्नी किरण जैन, पुत्र रूपक जैन और शुभम जैन के नाम दर्ज संपत्तियों को कुर्क किया गया है। कुर्क की गई संपत्तियों में पेट्रोल पंप, प्लॉट, कृषि भूमि, वाहन और अन्य चल–अचल संपत्तियां शामिल हैं। इन संपत्तियों की कुल कीमत 19.44 करोड़ रुपये आंकी गई है। मथुरा के जिला मजिस्ट्रेट ने तीन जुलाई को कुर्की के आदेश जारी किए थे, जिसके बाद राजस्व और पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में कार्रवाई पूरी की गई। पुलिस का कहना है कि पाइपलाइन से तेल चोरी करने वाले गिरोह में कुल 11 सदस्य शामिल हैं। गिरोह का सरगना फरह निवासी राकेश बताया गया है, जबकि अन्य आरोपियों में मैनपुरी, इंदौर, लखीमपुर खीरी और मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों के लोग शामिल हैं।

मंदिर से भगवान का मुकुट और बांसुरी चोरी

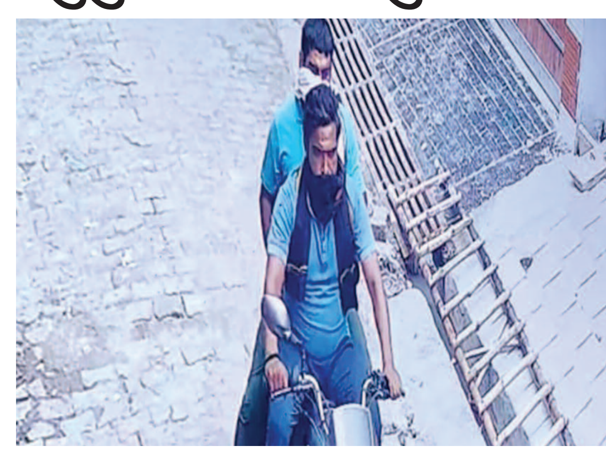

मंदिर से चोरी करके जाते सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए चोर।

यूनिक समय, शेरगढ़। कस्बा स्थित प्राचीन गोपीनाथ मंदिर में दिनदहाड़े चोरी की सनसनीखेज घटना सामने आई है। दोपहर को अज्ञात चोरों ने मंदिर का ताला तोड़कर गोपीनाथ का चांदी का मुकुट, चांदी की बांसुरी और अन्य कीमती सामान चोरी कर लिया। चोरी की वारदात मंदिर के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है।

मंदिर के गोसाई खेमचंद ने बताया कि वे दोपहर में मंदिर के पट बंद कर भोजन करने गए थे। कुछ देर बाद जब लौटे तो मंदिर का ताला टूटा हुआ था। अंदर जाकर देखा तो भगवान गोपीनाथ का चांदी का मुकुट, बांसुरी और अन्य सामान गायब था। मंदिर में हुई चोरी की उन्होंने 112 नंबर पर सूचना दी, साथ

चोरी करने वाले कैमरे में हो गए कैद

ही स्थानीय पुलिस को भी अवगत कराया। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज में बिना नंबर प्लेट की हीरो हौंडा मोटरसाइकिल पर सवार दो संदिग्ध युवक मंदिर के आसपास घूमते दिखाई दिए, जिन्होंने बाद में चोरी की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस सीसीटीवी से मिली फुटेज के आधार पर चोरों को तलाश कर रही है। पुलिस का कहना है कि शीघ्र ही चोरी करने वालों को गिरफ्तार किया जाएगा।

बिजली के खंभे में उतरे करंट से गर्भवती गाय की मौत

यूनिक समय, फरह। कस्बा की दुर्गा विहार और अंजली विहार कॉलोनी में बिजली विभाग की कथित लापरवाही के चलते एक गर्भवती गाय की करंट लगने से मौत हो गई। हादसे के बाद क्षेत्र में लोगों में गहरा आक्रोश है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि संबंधित बिजली के खंभे में कई दिनों से करंट उतर रहा था, जिसकी शिकायत कई बार बिजली विभाग से की गई, लेकिन समय रहते कोई कार्रवाई नहीं की गई।

बताया गया कि किसान मुकेश की गर्भवती गाय खंभे के संपर्क में आते ही करंट की चपेट में आ गई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय निवासियों का कहना है कि इससे पहले भी इसी खंभे में करंट आने से कॉलोनी के कई बच्चों को हल्का करंट लग चुका है। वार्ड–तीन की सदस्य मांगो देवी को भी इस समस्या से अवगत कराया गया था, लेकिन विभाग की ओर से प्रभावी कदम नहीं उठाए गए।

घटना की सूचना मिलने के बाद बिजली विभाग की टीम मौके पर पहुंची और विद्युत आपूर्ति को सुरक्षित किया।

बिजली करंट से मृत गाय।

इसके बाद मृत गाय का अंतिम संस्कार निजी स्तर पर जेसीबी से गड्ढा खुदवाकर कराया गया। मौके पर वार्ड सदस्य मांगो देवी, ठाकुर मक्खन सिंह तरकर, सुंदर सिंह, बनवारी, मुकेश, चंदन सिंह सहित बड़ी संख्या में कॉलोनीवासी मौजूद रहे।

लोगों ने प्रशासन से पूरे क्षेत्र के बिजली के खंभों, स्ट्रीट लाइट पोल और विद्युत लाइनों की तत्काल जांच कराने की मांग की है।

उनका कहना है कि पहले भी ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं और समय रहते सुधार नहीं हुआ तो भविष्य में किसी व्यक्ति या बेजुबान पशु की जान खतरे में पड़ सकती है। स्थानीय लोगों ने लोहे के खंभों पर प्लास्टिक कवर लगाने की मांग की है।

छात्र हत्या मामले में पिता ने कराई अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट

यूनिक समय, मथुरा। थाना जैंत के धौरेरा के जंगल में मिली बीपीटी के छात्र की हत्या के मामले में अज्ञात के खिलाफ थाना छाता में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। थाना गोवर्धन के नीमगांव निवासी चंद्रपाल ने इस मामले में पुलिस में दर्ज कराई गई रिपोर्ट में कहा है कि उनका पुत्र विपिन कुमार चार अगस्त को घर से कालेज के लिए गया था। इसके बाद वह घर नहीं लौटा। इस मामले में थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई गई थी। पांच जुलाई को दोपहर को उसका शव धौरेरा के जंगल में एक टूटे हुए कोठरे में पड़ा

पुलिस कर रही है हर पहलू पर जांच

मिला। विपिन की नृशंस तरीके से हत्या की गई थी। मामले में अज्ञात के खिलाफ थाना छाता में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। इस मामले में प्रभारी निरीक्षक उमेश चंद त्रिपाठी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। इस मामले में हर पहलू पर गहराई से जांच की जा रही है। इस प्रकरण में सभी तथ्यों की जांच की जाएगी। हत्या करने वालों को शीघ्र गिरफ्तार किया जाएगा।

हत्या के प्रयास में वांछित तीन गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। थाना मांट पुलिस ने हत्या के प्रयास में वांछित चल रहे तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अभियुक्त भीमसेन निवासी नगला हिमायु थाना मांट, सत्यवीर और मोहन सिंह डागोली –नीमगांव रोड स्थित एक ढावे से गिरफ्तार किया है।

बाइक सवार को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, युवक की मौत

यूनिक समय, मथुरा। थाना सदर बाजार क्षेत्र स्थित वर्मन नर्सिंग होम के समीप बीती रात एक बाइक सवार युवक को किसी तेज रफ्तार वाहन ने रौंद दिया, जिससे उसकी मौत हो गई।

थाना महावन के गांव कारब निवासी युवक बलराम सिंह(30) बीती रात करीब साढ़े बारह बजे बाइक से जा रहा था। रास्ते में बाढ़पुरा के समीप वर्मन नर्सिंग होम के समीप बाइक सवार युवक को किसी तेज रफ्तार वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में बलराम गंभीर घायल हो कर सड़क पर गिर गया।

वहां से गुजरते लोगों और स्थानीय लोगों ने जब घायल को पड़ा देखा तो पुलिस को भी इस बारे में सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बाइक को अपने कब्जे में लेकर थाने ले जाकर खड़ा करा दिया। इसके बाद शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने युवक के परिवारीजनों को भी इस बारे में सूचना दी।

258 ग्राम गांजे के साथ एक गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। जैंत पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 258 ग्राम गांजा बरामद किया है। पुलिस ने चेकिंग के दौरान सर्वोदय इंटर कॉलेज के निकट कच्चे रास्ते के पास से अभियुक्त गिरधारी निवासी चौमुहां को गिरफ्तार किया है। पुलिस को उसकी तलाशी में 258 ग्राम गांजा भी बरामद हुआ है। पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीसी एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

वर्षा ने ठंडे किए उमस के तेवर, पारा पांच डिग्री लुढ़का

कंकाली के सामने सड़क पर हुए जलभराव से निकलते वाहन।

मथुरा स्थित अनाज मंडी में हुआ जलभराव।

सुबह से रुक-रुक कर हुई बारिश, चली ठंडी बयार

12 अगस्त तक बादल और वर्षा के बन रहे हैं आसार

यूनिक समय, मथुरा। गुरुवार सुबह से शुरू हुई वर्षा ने गर्मी और उमस से परेशान लोगों को बड़ी राहत दी। सुबह से ही आसमान पर घने बादल छाए रहे और रुक–रुककर कभी हल्की तो कभी तेज वर्षा होती रही। वर्षा के साथ चली ठंडी बयार ने मौसम को पूरी तरह सुहावना बना दिया। पिछले कई दिनों से उमस भरी गर्मी झेल रहे लोगों ने राहत की सांस ली। सड़कों, बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर लोगों के चेहरे भी बदले हुए मौसम से खिले नजर आए। कई स्थानों पर बच्चों ने वर्षा का आनंद लिया, जबकि किसानों ने भी इस वर्षा को खरीफ फसलों के लिए लाभदायक बताया।

सुबह से ही मौसम बदला था, आसमान पर बादल छाए थे। अचानक हल्की वर्षा शुरू हो गई। वर्षा का असर तापमान पर भी स्पष्ट दिखाई दिया। मौसम विभाग के अनुसार, अधिकतम तापमान गिरकर 29 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। तापमान में आई गिरावट से दिनभर मौसम अपेक्षाकृत ठंडा बना रहा और लोगों को पंखे-कूलर का सहारा भी कम लेना पड़ा।

मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक मौसम के इसी तरह बने रहने की संभावना जताई है। विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, 12 अगस्त तक आसमान में बादल छाए रहेंगे और रुक–रुककर हल्की से मध्यम वर्षा होने के आसार हैं। मौसम विज्ञानी नरेंद्र कुमार के अनुसार, किसानों के लिए यह बारिश फसलों की बढ़वार के लिहाज से लाभकारी है।

वर्षा से बचने के लिए छाता लेकर जातीं छात्राएं।

यमुना एक्सप्रेस- वे के नीचे बरेली हाइवे पर भरा पानी।

जलभराव बना परेशानी

सुबह से शुरू हुई वर्षा ने परेशानी भी कर दी। जन-जीवन की चाल को प्रभावित करने वाली इस वर्षा की वजह से हाइवे के सर्विस रोड निचले इलाकों में जलभराव हो गया, जिससे लोगों को परेशानी झेलनी पड़ी। मंडी और उसके सामने अंडरपास के आसपास जलभराव हो गया।

बारिश से कई क्षेत्रों की सड़क जलमग्न

यूनिक समय, वृंदावन। सुबह से हो रही बारिश के कारण मंदिरों की नगरी की हालात बदल गई। कई क्षेत्रों की सड़कों पर हिलोरे मारता पानी नजर आया। श्रद्धालु और स्थानीय लोगों को पानी में होकर ही अपना रास्ता तय करना पड़ा। बारिश के बीच मंदिरों की नगरी के कई इलाकों में विद्युत आपूर्ति गुल होने से लोग परेशान नजर आए। लोगों ने उप खंड अधिकारी (विद्युत) को फोन किए। विद्युत कर्मचारी फाल्टों को ठीक करने के लिए दौड़ते रहे।

कार्यालयों पर दिखा असर

गुरुवार की इस वर्षा का असर सरकारी कार्यालयों पर भी देखने को मिला। सरकारी कर्मचारी वर्षा से बचने के इंतजामों के साथ कार्यालय आते दिखे, जबकि फरियादी भी कम नजर आए। ऐसे में सरकारी कार्यालयों का माहौल शांत दिखा।

बारिश में भीगे मंदिरों में जाने वाले श्रद्धालु

यूनिक समय, वृंदावन। गुरुवार सुबह से कभी तेज और कभी धीमी बारिश मंदिरों में जाने वाले श्रद्धालु की आस्था को डिगा नहीं पाई। हालांकि श्रद्धालुओं की संख्या कम ही थी।

ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में दर्शन करने के लिए आए श्रद्धालुओं में बारिश के कारण अफरा तफरी सी मची रही। मंदिर के चबूतरा पर भीगने से बचने के लिए तिरपाल के नीचे खड़े होने के लिए भागते नजर आए। मंदिर की ओर जाने वाले रास्तों में अपेक्षा से कम भीड़ दिखाई दी। इसी तरह से ठाकुर राधाबल्लभ लाल मंदिर, ठाकुर राधारमण लाल मंदिर, ठाकुर राधा दामोदर मंदिर, राधा श्याम सुंदर मंदिर, श्रीकृष्ण बलराम इस्कान मंदिर और प्रेम मंदिर भी सुबह के समय बारिश होने के कारण श्रद्धालुओं की संख्या कम ही नजर आई।

भारी बारिश के अलर्ट पर प्रशासन ने जारी की एडवाइजरी

आंधी, वज्रपात और जलभराव से बचाव के लिए सतर्क रहने की अपील

आपदा की सूचना तत्काल कंट्रोल रूम को देने के दिए हैं निर्देश

यूनिक समय मथुरा। भारत मौसम विज्ञान विभाग की ओर से आगामी दिनों में भारी वर्षा, तेज आंधी, वज्रपात, तीव्र बयार और जलभराव की संभावना जताए जाने के बाद जिला प्रशासन ने लोगों के लिए विशेष जनहित एडवाइजरी जारी की है। डीएम के निर्देशन में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने लोगों से सतर्कता बरतने और मौसम संबंधी सभी सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

प्रशासन ने नागरिकों से खराब मौसम के दौरान अनावश्यक रूप से घरों से बाहर नहीं निकलने की सलाह दी है। अत्यंत आवश्यक होने पर ही सुरक्षित मार्ग का उपयोग करें। यमुना नदी, नालों, तालाबों, जलभराव वाले क्षेत्रों और तेज बहाव वाले रास्तों से दूर रहने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही जलमग्न सड़कों और पुलों को पार करने से बचने को कहा गया है।

आंधी और वज्रपात के समय खुले स्थानों, ऊंचे पेड़ों, बिजली के खंभों, ट्रांसफार्मरों और जर्जर भवनों से दूरी बनाए रखने की अपील की गई है। यदि कहीं बिजली का तार टूटा दिखाई दे तो तत्काल विद्युत विभाग को सूचना दें और किसी को उसके संपर्क में न आने दें।

किसानों को फसल, कृषि उपकरण और पशुधन को सुरक्षित स्थान पर रखने की सलाह दी गई है। वहीं अभिभावकों से बच्चों को जलभराव वाले क्षेत्रों में जाने से रोकने और बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और दिव्यांगजनों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने का अनुरोध किया गया है। जिला प्रशासन ने लोगों से अफवाहों पर विश्वास न करने और केवल अधिकृत मौसम संबंधी सूचनाओं का पालन करने की अपील की है। किसी भी आपदा या आपात स्थिति में तत्काल जिला आपदा नियंत्रण कक्ष को सूचना देकर राहत-बचाव कार्य में सहयोग करने का आग्रह किया गया है।

इन नंबरों पर दे सकते हैं जानकारी

जिला आपदा नियंत्रण कक्ष / बाढ़ कंट्रोल रूम 0565–2974934, 0565–2972962,-0565–2972964, 0565–2972963
आपदा विशेषज्ञ- ईओसी प्रभारी- पूजा राणा- मोबाइल : 9696637399

बेसमेंट के कारण स्कूल की दीवार भरभराकर गिरी

यूनिक समय, वृंदावन। प्रताप बाजार में निर्माणाधीन दुकान के बेसमेंट से सरस्वती शिशु मंदिर की दीवार भरभरा कर गिर पड़ी। यह तो गनीमत रही कि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। इस मामले में कोतवाली में प्रार्थना पत्र दिया गया है। जानकारी के अनुसार, प्रताप बाजार में एक निर्माणधीन दुकान का बेसमेंट में काम चल रहा है। आज सुबह बारिश के दौरान बेसमेंट के सहारे स्थित सरस्वती विद्या मंदिर की दीवार भरभरा कर गिर पड़ी।

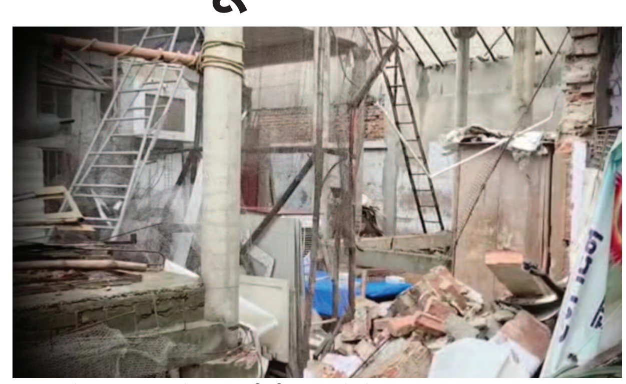

वृंदावन के प्रताप बाजार में स्कूल की दीवार गिरने से घटना स्थल का नजारा।

इस दीवार गिरने से आसपास रहने वाले लोगों के कान खड़े हो गए। बड़ा हादसा होने की आशंका से लोग घटना स्थल पर पहुंच गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जिस समय स्कूल की दीवार गिरी, उस समय बच्चे क्लासों में पढ़ रहे थे। स्कूल प्रबंधन का कहना है कि बेसमेंट को लेकर अधिकारियों से कई बार शिकायत की थी, लेकिन सभी ने नजर अंदाज कर दिया। अब कानूनी कार्रवाई करने की बात सामने आ रही है।

व्यापारी के सूट और नकदी लेकर हो गए फरार

व्यापारी ने फेरी वालों के खिलाफ पुलिस को दी तहरीर

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर के लालाराम मार्ग में लेडीज सूट का व्यापार करने वाले एक व्यापारी के माल को पांच फेरी वाले ले गए। 240 सूट और 65 हजार रुपये की नकदी लेकर फरार होने के इस मामले में व्यापारी ने थाने में तहरीर दी है।

कस्बा लावड़, थाना इंचौली, जिला मेरठ निवासी राजा ने बताया कि वह नगर के लालाराम मार्ग पर सद्दाम मेंबर के मकान में किराए पर रहकर लेडीज सूट का व्यापार करता है। उसके पास शरीफ, इनुस खां, कल्लू निवासी बछगांव जिला फिरोजाबाद, बसीर निवासी ग्राम पिपराटी जिला इटावा कपड़ा उधार लेकर आस–पास के गांवों में फेरी लगा कर बेचने का काम करते थे। ये सभी गफ्फार के मकान में किराए पर रहते थे। 15 दिन पहले इन लोगों ने 65 हजार रुपये नगद और 38 हजार रुपये कीमत के 240 सूट बेचने को लिए थे। बुधवार–गुरुवार की रात को सभी फेरी करने वाले बिना बताए यहां से भाग गए। पीड़ित ने इस मामले में पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर जांच की जा रही है।

विशेष चेकिंग अभियान से अपराधियों में मचा हड़कंप

वाहनों के कागजात भी जांचे, चालान भी काटे

यूनिक समय, कोसीकलां। क्षेत्र में शांति और सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए कोटवन पुलिस ने गुरुवार को विशेष चेकिंग अभियान चलाया। जिससे असमाजिक तत्वों में हड़कंप मच गया।

एसएसपी श्लोक कुमार के निर्देश पर चौकी प्रभारी उत्तम सिंह ने पुलिस टीम के साथ दिल्ली–आगरा हाईवे–19 से आने वाले वाहनों की विशेष चेकिंग शुरू की। सुबह से ही पुलिस टीम अलर्ट मोड में रही। पुलिसकर्मियों ने दो पहिया और चार पहिया वाहनों को रोककर उनके कागजात की बारीकी से जांच की। संदिग्ध वाहनों की तलाशी के साथ ही चालकों के पहचान पत्र भी चेक किए गए। अभियान के दौरान पुलिस ने केवल चालान ही नहीं काटे, बल्कि चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक भी किया। पुलिसकर्मियों ने हेलमेट, सीटबेल्ट और जरूरी कागजात साथ लोगों को चलने की हिदायत दी।

कोटवन चौकी प्रभारी का कहना है कि हमारा उद्देश्य सिर्फ कार्रवाई करना नहीं, बल्कि जनता को सुरक्षित माहौल देना है। अपराध और अवैध गतिविधियों पर लगाम लगाने के लिए ऐसे अभियान आगे भी निरंतर चलाए जाएंगे।

स्मार्ट क्लास से बदलेगी शिक्षा बच्चों को मिलेगा डिजिटल ज्ञान

प्राथमिक विद्यालय बलरामपुर में स्मार्ट टीवी का हुआ शुभारंभ

तकनीक आधारित पढ़ाई से बढ़ेगी बच्चों की सीखने की क्षमताः नेहा

स्मार्ट कक्षा के शुभारंभ के बाद विद्यार्थी से पुस्तक पढ़वातीं बीडीओ नेहा रावत।

यूनिक समय, बल्देव। ब्लाक के ग्रामीण परिषदीय विद्यालयों में शिक्षा व्यवस्था अब आधुनिक तकनीक से जुड़ रही है। इसी क्रम में प्राथमिक विद्यालय बलरामपुर में स्मार्ट क्लास की शुरुआत की गई। खंड विकास अधिकारी नेहा रावत ने स्मार्ट टीवी का फीता काटकर शुभारंभ किया, इसे ग्रामीण बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया।

इस अवसर पर नेहा रावत ने विद्यालय का निरीक्षण किया और छात्र-छात्राओं से संवाद कर उनकी शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में स्मार्ट क्लास शिक्षा को अधिक रोचक, प्रभावी और व्यवहारिक बनाएगी। स्मार्ट टीवी के माध्यम से बच्चों को विज्ञान, गणित, सामान्य ज्ञान सहित विभिन विषयों के वीडियो, एनिमेशन और इंटरैक्टिव सामग्री दिखाई जाएगी, जिससे कठिन विषयों को समझना आसान होगा और पढ़ाई में उनकी रुचि बढ़ेगी।

विद्यालय के प्रधानाध्यापक डॉ. जगदीश पाठक ने बताया कि स्मार्ट क्लास के माध्यम से विद्यार्थी केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि देश-दुनिया की नई जानकारियों और आधुनिक तकनीकों से भी परिचित होंगे। इससे उनकी रचनात्मक सोच, सामान्य ज्ञान और सीखने की क्षमता का विकास होगा।

कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामवासियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि तकनीक आधारित शिक्षा से अभिभावकों का सरकारी विद्यालयों पर विश्वास और मजबूत होगा। इस अवसर पर बिंदु शर्मा, डॉ. ममता रानी, अचल कुमार, प्रेमचंद, पूजा रानी, अरुण कुमार, रविंद्र रावत, सुशेंद्र मित्तल सहित अनेक लोग उपस्थित रहे। संचालन डॉ. जगदीश पाठक ने किया।

डिप्थीरिया से बचाव को स्कूलों में टीकाकरण

पहले दिन 2,568 बच्चों को लगे टीके

तीन से सात अगस्त तक चल रहा है अभियान

यूनिक समय, मथुरा। डिप्थीरिया जैसी गंभीर बीमारी से बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने जिले में तीन अगस्त से सात अगस्त तक स्कूल आधारित विशेष टीकाकरण अभियान शुरू किया है। अभियान के तहत सरकारी और निजी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को उनकी उम्र के अनुसार डीपीटी और टीडी के टीके लगाए जा रहे हैं।

स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि जिले में अभी डिप्थीरिया का कोई मामला नहीं है, लेकिन बीमारी से बचाव के लिए पहले से ही यह अभियान चलाया जा रहा है। नोडल अधिकारी डॉ. रोहताश सिंह ने बताया कि पहले दिन जिले में कुल 2,568 बच्चों का टीकाकरण किया गया। इनमें 891 बच्चों को डीपीटी-2 बूस्टर, 1,449 बच्चों को टीडी-10 और 228 बच्चों को टीडी-16 का टीका लगाया गया। उन्होंने बताया कि 5 से 6 वर्ष की आयु के कक्षा-1 के बच्चों को डीपीटी-2 बूस्टर, 10 वर्ष की आयु के कक्षा-4 और 5 के बच्चों को टीडी-10 और 16 वर्ष की आयु के कक्षा-10 और 11 के विद्यार्थियों को टीडी-16 का टीका लगाया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग की टीमें स्कूलों में पहुंचकर यह टीकाकरण कर रही हैं।

डॉ. रोहताश सिंह ने बताया कि डिप्थीरिया एक संक्रामक बीमारी है। इसके लक्षणों में तेज बुखार, गले में सफेद परत या झिल्ली बन जाना, गले में दर्द और खाना निगलने में परेशानी होना शामिल है। यह बीमारी अधिकतर 5 से 15 वर्ष तक के बच्चों में देखने को मिलती है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में वर्ष 2024 में डिप्थीरिया के 783 मामले मिले थे। वर्ष 2025 में यह संख्या घटकर 146 रह गई, जबकि वर्ष 2026 में अब तक केवल 10 मामले सामने आए हैं।

दतिया में नौ दिन रुकेगी गोंडवाना और समता एक्सप्रेस

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर मध्य रेलवे ने ज्योति स्नान पर्व के दौरान यात्रियों की सुविधा को देखते हुए दतिया रेलवे स्टेशन पर गोंडवाना एक्सप्रेस और समता एक्सप्रेस को अस्थायी ठहराव देने का फैसला किया है। यह व्यवस्था आठ अगस्त से 16 अगस्त तक लागू रहेगी। रेलवे के अनुसार, 12405/12406 गोंडवाना एक्सप्रेस और 12807/ 12808 समता एक्सप्रेस दतिया रेलवे स्टेशन पर दो-दो मिनट के लिए रुकेंगी। इस अस्थायी ठहराव का लाभ मथुरा, आगरा, दिल्ली और उत्तर भारत के अन्य क्षेत्रों से दतिया जाने वाले यात्रियों और श्रद्धालुओं को मिलेगा। इससे यात्रियों को ट्रेन बदलने या अन्य साधनों का सहारा लेने की परेशानी कम होगी। रेल प्रशासन के अनुसार, ज्योति स्नान पर्व के दौरान दतिया आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में काफी बढ़ोतरी होती है।

उठावनी

स्व. श्री नन्दकिशोर बंसल

अत्यन्त दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि हमारे पूज्य पिताजी श्री नन्दकिशोर बंसल पुत्र स्व. श्री जगदीश प्रसाद बंसल का गोलोकवास दिनांक 05.08.2026 को हो गया है। जिनकी उठावनी दिनांक 07.08.2026 शुक्रवार को महिलाओं एवं पुरुषों की दोपहर सायं 4 से 5 बजे तक चित्रकूट मसानी बाईपास लिंक रोड, मथुरा पर होगी।

शोकाकुल

मधु बंसल (पत्नी)
अनूप-सीमा, अतुल-कीर्ति (पुत्र-पुत्रवधु)
अंजलि-सतीश जी डींग (पुत्री-दामाद)
बालकिशन-बीना, राकेश-अरुणा
अनिल-रेनू (भ्राता-भ्रातावधु)
मंजू (बहन) मधू-दिनेश जी
रेखा-अनिल जी (बहन-बहनोई)
दीपक-छाया, अभिषेक-मेघा
(भतीजा-भतीजावधू)
सागर, अर्पित (भतीजे)
आशीष-दिव्या, शुभम-प्रियंका
(धेवता-धेवतावधू)
सौम्या, पुरु, पाखी, राघव, तेजस
अनिका, विभव (नाती-नातिन)
एवं समस्त बंसल परिवार

फर्मः-
सौम्या ट्रेडर्स (9719116490) बंसल एजेंसीज (8954879802)
जय जगन्नाथ ट्रेडर्स (7055128846) बालकिशन पोशाक भंडार (6397253282)

ससुराल पक्ष - डॉ. गोविन्दगोपाल सिंघल, रिषी सिंघल (सालेगण) आगरा

उठावनी

स्व. श्री भोलाराम अग्रवाल

अत्यंत दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि हमारे प्रिय श्री भोलाराम अग्रवाल (मानपुरिया) जी का आकस्मिक निधन दिनांक 05.08.2026 को हो गया है। जिनकी उठावनी दिनांक 07.08.2026 दिन शुक्रवार को महिलाओं एवं पुरूषों की दोपहर 3 से 4 बजे तक होटल चन्द्रा गार्डन, बरसाना रोड़, गोवर्धन पर होगी।

शोकाकुलः- ठाकुरलाल अग्रवाल (बाबा), बच्चू मानपुरिया (पिता) गुलाबचन्द गोपाल प्रसाद, गोपीचन्द (चाचाजी) ममता अग्रवाल (धर्मपत्नी) राजू, महेन्द्र, रौनक अमन, सौरभ, सोनू, मोनू, गौरव (भाई) आयुष, कार्तिक (पुत्र) अदिति (पुत्री) रेनू-हरिओम जी, रुचि-सौरभ जी (बहन-बहनोई) एवं समस्त मानपुरिया परिवार

फर्मः मानपुरिया एण्ड संस, महेन्द्र कुमार एण्ड संस, अजीत प्लाईवोर्ड एण्ड टिम्बर (गोवर्धन)

ससुराल पक्षः- योगेश अग्रवाल, नरेश अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल (मथुरा)

नशा के खिलाफ शपथ लेकर विद्यार्थियों ने जन-जागरण का लिया संकल्प

नशा मुक्ति के लिए शपथ लेते शिक्षक और अन्य।

यूनिक समय, मथुरा। किशोरी रमण स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना और एनसीसी के संयुक्त तत्वावधान में प्रधानमंत्री के आह्वान पर संचालित नशा मुक्ति युवा विकसित भारत संकल्प अभियान के अंतर्गत गुरुवार को नशा मुक्ति शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित हुआ।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य ने छात्र-छात्राओं को नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प दिलाते हुए अपने घर, परिवार, रिश्तेदारों, गांव, शहर, खेत-खलिहानों तक नशा मुक्ति का संदेश पहुंचाकर व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवाओं की सक्रिय भागीदारी से ही नशामुक्त, स्वस्थ भारत के निर्माण का लक्ष्य साकार किया जा सकता है।

शपथ ग्रहण कार्यक्रम संयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना के जिला नोडल अधिकारी डॉ. अशोक कुमार कौशिक, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नवीन अग्रवाल और एनसीसी प्रभारी लेफ्टिनेंट डॉ. कपिल कौशिक के निर्देशन में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर प्रो. राजेश अग्रवाल, प्रो. राजेश गौतम, प्रो. उमेश शर्मा, प्रो. विनोद खंडेलवाल, डॉ. राजेश सारस्वत, डॉ. रामदत्त मिश्रा, डॉ. अजय उपाध्याय, डॉ विजय नारायण, रामकिशन शर्मा, दीपक कुमार, संजय सिंह, नितिन कुमार, रिंकू, तरुण कुमार, प्रवेश शर्मा, पवन कुमार सहित महाविद्यालय के शिक्षकगण, कर्मचारी और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

केडी मेडिकल कॉलेज के चिकित्सा विशेषज्ञों ने बताई मां के दूध की महत्ता

शिशु के लिए मां का दूध संपूर्ण आहारः कुलपति डॉ. मनेष लाहौरी

छात्र-छात्राओं ने रंगोली पोस्टर और नुक्कड़ नाटक से दिया स्तनपान का संदेश

बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है मां का दूधः डीन डॉ. आरके अशोका

अतिथियों के साथ रंगोली, पोस्टर और नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत करने वाले के.डी. मेडिकल कॉलेज के छात्र-छात्राएं, शिशुओं के साथ माताएं।

यूनिक समय, मथुरा। केडी विश्वविद्यालय के चिकित्सा शिक्षा संस्थान केडी मेडिकल कॉलेज-हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के छात्र-छात्राओं ने रंगोली, पोस्टर और नुक्कड़ नाटक के माध्यम से महिलाओं और तीमारदारों को स्तनपान के महत्व की जानकारी दी।

स्तनपान सप्ताह समापन पर छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर उत्साहवर्धन किया।

कुलपति डॉ. मनेष लाहौरी ने कहा कि शिशु के लिए मां का दूध संपूर्ण आहार होता है। इसमें सभी जरूरी पोषक तत्व, विटामिन और मिनरल सही मात्रा में मौजूद होते हैं। डीन डॉ. अशोका ने कहा कि मां का दूध बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है, जिससे वह संक्रमण और अन्य बीमारियों से हमेशा सुरक्षित रहता है।

शिशु रोग विभाग, महिला-प्रसूति रोग विभाग और सामुदायिक चिकित्सा विभाग द्वारा आयोजित विश्व स्तनपान सप्ताह का समापन मेडिकल छात्र-छात्राओं के नुक्कड़ नाटक से हुआ। छात्र-छात्राओं ने नाटक के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को स्तनपान के महत्व और उसके फायदे बताए।

महिला-प्रसूति रोग विभागाध्यक्ष डॉ. वीपी पांडेय ने स्तनपान को समाज के भविष्य में एक बेहतर निवेश बताया। विभागाध्यक्ष कम्युनिटी मेडिसिन डॉ. गगनदीप कौर ने बताया कि स्तनपान करने वाले बच्चे दस्त, निमोनिया, सेप्टिक जैसी बीमारियों से बचे रहते हैं। शिशु रोग विभागाध्यक्ष डॉ. संध्या लता ने कहा कि स्तनपान केवल शिशु का पोषण ही नहीं, बल्कि समाज का दीर्घकालिक स्वास्थ्य निवेश भी है।

विश्व स्तनपान सप्ताह में हुए विविध जनजागरूकता कार्यक्रमों की कुलपति मनेष लाहौरी, कॉलेज के डीन और प्राचार्य डॉ. आरके अशोका, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. गगनदीप सिंह, परीक्षा नियंत्रक डॉ. अम्बरीश कुमार, महिला-प्रसूति रोग विभागाध्यक्ष डॉ. वी.पी. पांडेय, विभागाध्यक्ष सामुदायिक चिकित्सा डॉ. गगनदीप कौर, विभागाध्यक्ष शिशु रोग डॉ. संध्या लता, विभागाध्यक्ष मेडिसिन डॉ. मंजू पांडेय, विभागाध्यक्ष क्षय रोग डॉ. एस.के. बंसल, डॉ. श्याम बिहारी शर्मा आदि ने प्रशंसा की। इस अवसर पर डॉ. बिश्वाविनोद सानफुई, डॉ. स्वेता सिंह, डॉ. शुभ्रा दुबे, डॉ. निखिल थोराट, डॉ. शिवानी बिनवाल आदि ने छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन किया।

हंसता आईना

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
कार्यालयः- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक-पवन गौतम
फोन नंबर-0565-3550761
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

सेब का सिरका देगा फिटनेस साथ में बढ़ाएगा इम्यूनिटी

यूनिक समय, मथुरा। सेब का सिरका के सेवन करने से शरीर को कई फायदे मिलते हैं। सेब का सिरका को अंग्रेजी में एप्पल साइडर विनेगर के नाम से जाना जाता है। इसके फायदे जानकर आपके होश उड़ जाएंगे। सेब का सिरका पीने से जिद्दी से जिद्दी चर्बी मक्खन की तरह पिघल जाएगी।

सेब के सिरका को अंग्रेजी में एप्पल साइडर विनेगर भी कहा जाता है। रोजाना इसके सेवन से शरीर को कई फायदे मिलते हैं। आजकल के समय में अधिकतर लोगों में मोटापा पाया जाता है। मोटापा के कारण कई सारी खतरनाक बीमारियां होने लगती है। अगर आप वजन कम करना चाहते हैं तो आप रोजाना सेब के सिरका का सेवन कर सकते हैं। आइए जानते हैं सेब का सिरका का सेवन करने से क्या होता है।

मोटापा कम होगा : अगर आप रोजाना सुबह–सुबह गुनगुने पानी में सेब का सिरका मिलाकर पीने से वजन को कंट्रोल करने में मदद मिल सकती है। वहीं, यह मेटाबॉलिज्म को बढ़ाने में मदद कर सकता है।

पाचन में सुधार होता : सेब का सिरका रोजाना पीने से आपकी पाचन क्रिया बेहतर होती है। इसका सेवन आप गुनगुने पानी के साथ कर सकते हैं। फिर आपको पाचन की समस्या कभी नहीं होगी। कब्ज और एसिडिटी की समस्या दूर हो जाती है।

ब्लड शुगर कंट्रोल करता है : अगर आप डायबिटीज के मरीज है तो आपको सेब का सिरके का सेवन जरुर करना चाहिए। यह टाइप 2 डायबिटीज के रोगियों के लिए काफी फायदेमंद होता है।

कोलेस्ट्रॉल दूर होता : रोजाना सेब का सिरका पीने से खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद मिलती है। अगर आपके शरीर में खराब कोलोस्ट्रॉल बढ़ रहा है तो आप सेब का सिरका पीने से खत्म हो जाएगा।

इम्यूनिटी बूस्ट होती है : सेब का सिरका पीने से इम्यून सिस्टम को मजबूत करने में मदद मिलती है। इसे आप रोजाना खाली पेट गुनगुने पानी में मिलाकर पी सकते हैं। फिर देखें इसका फायदा।

रक्षाबंधन पर स्टाइलिश दिखना है तो अपनाएं यह आसान टिप्स

यूनिक समय, मथुरा। रक्षाबंधन का त्योहार नजदीक आ रहा है। इस पर्व की तैयारियां आपने शुरू कर दी होगी। इस मौके पर अपनी तैयारियों में इन चीजों को शामिल करने से यह सुनिश्चित होगा कि आप इस महत्वपूर्ण दिन को स्टाइल और गरिमा के साथ मनाएं। रक्षाबंधन की अपनी तैयारियों में इन तत्वों को जरुर शामिल करें।

रक्षाबंधन भाई–बहनों के बीच खास बंधन का सम्मान करने के लिए एक प्यारा उत्सव है। जब आप उत्सव की तैयारी कर रहे हों, तो ऐसे परिधान और एक्सेसरीज़ चुनें जो परंपरा और आधुनिकता का मेल हों। यहां कुछ जरूरी एक्सेसरीज दी गई हैं जो यह सुनिश्चित करेंगी कि आप उत्सव के दौरान अच्छे दिखें और सहज कैसे महसूस करें।

सुंदर एथनिक वियर करें : रक्षाबंधन के आउटफिट्स में आमतौर पर साड़ी, लहंगा और सलवार कमीज शामिल होते हैं। खूबसूरत और आरामदायक कपड़ों का चयन करें, जो पारंपरिक शैली के साथ समकालीन डिजाइन प्रदान करते हैं, जो एक स्थायी छाप छोड़ने के लिए एकदम सही हैं।

फेस्टिव सामान : अपने पहनावे में चमचमाती ज्वैलरी पहनकर थोड़ी शान जोड़ें। अपने पहनावे से मेल खाने वाले झुमके, चूड़ियां और हार जैसे आकर्षक आभूषण चुनें। सुनिश्चित करें कि आपके एक्सेसरीज आपके पहनावे को पूरा करें न कि उसे छिपाएं, जिससे आपका पहनावा संतुलित और आकर्षक दिखे।

आरामदायक फुटवियर पहनें : रक्षाबंधन के लिए आरामदायक और आकर्षक फुटवियर की आवश्यकता होती है। पारंपरिक जूतियां या उत्तम सैंडल उत्सव के परिधानों के साथ बहुत अच्छे लगते हैं। ऐसे पैटर्न की तलाश करें जो आपको उत्सव के लंबे घंटों के दौरान आरामदायक बनाए रखें और साथ ही आपके पहनावे में एक फैशनेबल स्पर्श भी जोड़ें।

ग्लैमरस मेकअप और हेयर : फेस्टिव मेकअप और ट्रेंडी हेयरस्टाइल से अपने लुक को निखारें। फेस्टिव ग्लो देने के लिए गोल्ड, ब्रॉन्ज या क्रिमसन जैसे मेकअप टोन का इस्तेमाल करें। अपने फेस्टिव लुक को पूरा करने के लिए अपने मेकअप को सॉफ्ट कर्ल या टाइट ब्रेड जैसे पारंपरिक हेयरस्टाइल के साथ पेयर करें।

स्टाइलिश हैंडबैग : एक स्मार्ट पर्स एक व्यावहारिक और फैशनेबल एक्सेसरी दोनों हो सकता है। एक फैशनेबल और उपयोगी बैग चुनें जो आपकी पोशाक के साथ मेल खाता हो और जिसमें आपकी ज़रूरतों के लिए पर्याप्त जगह हो।

एक अच्छी तरह से चुना गया पर्स आपके समग्र रूप को बेहतर बनाएगा और आपको पूरे उत्सव के दौरान व्यवस्थित रखेगा।

बासी रोटी से बनाएं स्वादिष्ट चूरमा रोज का नाश्ता होगा शानदार

सिर्फ दस मिनट में तैयार होगा पौष्टिक स्वादिष्ट चूरमा

मीठा और तीखा दोनों स्वाद बच्चों को खूब भाए

यूनिक समय, मथुरा। अक्सर रात के खाने के बाद कुछ रोटियां बच जाती हैं। कई लोग इन्हें फेंक देते हैं या दोबारा गर्म करके खाते हैं, लेकिन अब इन्हीं बची हुई रोटियों से स्वादिष्ट और पौष्टिक चूरमा तैयार किया जा सकता है। यह रेसिपी न केवल खाने में लाजवाब होती है, बल्कि महज 10 मिनट में तैयार हो जाती है। खास बात यह है कि बच्चे भी इसे बड़े चाव से खाते हैं।

अगर आप रोज–रोज एक जैसा नाश्ता बनाकर बोर हो चुके हैं, तो बासी रोटी का चूरमा बेहतरीन विकल्प हो सकता है। इसमें घर में मौजूद सामान्य सामग्री का उपयोग होता है और यह स्वाद के साथ पोषण भी देता है। इसे मीठे और तीखे, दोनों अंदाज में बनाया जा सकता है।

मीठा चूरमा बनाने के लिए सबसे पहले कड़ाही में थोड़ा घी गर्म करें। बची हुई रोटियों को छोटे–छोटे टुकड़ों में तोड़कर हल्का सुनहरा होने तक भून लें। अब अलग पैन में थोड़ा घी डालकर गुड़ पिघलाएं और हल्की चाशनी तैयार करें। इसमें भुनी हुई रोटियां मिलाएं। ऊपर से इलायची पाउडर, कटे हुए बादाम, काजू और किशमिश डालकर अच्छी तरह मिलाएं। कुछ ही मिनटों में स्वादिष्ट मीठा चूरमा तैयार हो जाएगा।

अगर आपको नमकीन नाश्ता पसंद है तो तीखा चूरमा भी आसानी से बनाया जा सकता है। इसके लिए कड़ाही में थोड़ा घी गर्म करें। इसमें बारीक कटी प्याज, टमाटर, गाजर, शिमला मिर्च और हरी मिर्च हल्की भून लें। स्वादानुसार नमक, हल्दी, लाल मिर्च और धनिया पाउडर डालें। अब रोटियों के टुकड़े मिलाकर दो–तीन मिनट तक अच्छी तरह चलाएं। अंत में हरा धनिया डालकर गैस बंद कर दें।

यह आसान रेसिपी भोजन की बर्बादी रोकने के साथ–साथ परिवार को स्वादिष्ट और हेल्दी नाश्ता भी देती है। अगर आपके घर में भी रात की रोटियां बच जाती हैं, तो अगली सुबह उनसे चूरमा बनाकर जरूर ट्राई करें।

बारिश में पांच आसान घरेलू उपाय से बचाएं अनाज

यूनिक समय, मथुरा। बरसात के मौसम में बढ़ी नमी के कारण गेहूं, चावल और अन्य अनाजों में घुन, सूंडी, फफूंद और बदबू की समस्या आम हो जाती है। यदि समय रहते सावधानी नहीं बरती जाए तो पूरा राशन खराब हो सकता है। अनाज को कीड़ों से बचाने के लिए सबसे पहले सूखी नीम की पत्तियां कपड़े की पोटली में बांधकर ड्रम में रखें। इसकी प्राकृतिक गंध कीड़ों को दूर रखती है। इसके अलावा सूखी लाल मिर्च और तेजपत्ता भी अनाज में रखने से घुन नहीं लगते। साबुत लौंग भी कीड़ों को दूर रखने का कारगर उपाय है। वहीं गेहूं को लंबे समय तक सुरक्षित रखने के लिए उसमें हल्का सरसों का तेल मिलाकर अच्छी तरह सुखाने के बाद स्टोर किया जा सकता है। चावल के डिब्बे में लौंग के तेल की कुछ बूंदें लगी कॉटन बॉल रखने से भी फायदा मिलता है। नमी से बचाव के लिए ढेले वाला नमक सूती कपड़े में बांधकर अनाज के ड्रम में रखें। यह अतिरिक्त नमी सोख लेता है और अनाज को लंबे समय तक सुरक्षित रखने में मदद करता है। थोड़ी–सी सावधानी आपके सालभर के राशन को खराब होने से बचा सकती है।

नारनौल की इन शानदार जगहों पर घूमकर आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा

यूनिक समय, नई दिल्ली। अगर आप दिल्ली एनसीआर के नजदीक कहीं घूमने की जगह की तलाश कर रहे हैं तो आप इस जगह पर जरुर जाएं। हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले में स्थित नारनौल, एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक शहर है। आप यहां पर इन जगहों को जरुर एक्सप्लोर करें।

हरियाणा में स्थित नारनौल के ऐतिहासिक स्मारक देखने के लिए लोग दूर–दूर से आते हैं। अगर आप दिल्ली एनसीआर में रहते हैं और नजदीक ही घूमने का प्लान बना रहे हैं तो आप नारनौल घूमने जाए। इस मौसम में घूमने का एक अलग ही मजा है। इस जगह पर आपको काफी कुछ खास देखने को मिलेगा। आइए जानते हैं नारनौल के करीब किन जगहों को आप अपने परिवार वालों के साथ और दोस्तों के साथ एक्सप्लोर कर सकती हैं।

जल महल: नारनौल में आप जल महल देखने जा सकते है, जो बेहद खूबसूरत है। इस जल महल को देखने के लिए लोग दूर–दूर से आते हैं। कई विदेशी पर्यटक भी इसे देखने के लिए आते हैं। इस महल तक पहुंचने के लिए मेहराब दार पुल बना हुआ है।

छतर्दी : नारनौल मौजूद है छतर्दी एक प्राचीन इमारत है, जो अपने खूबसूरत इमारत के लिए जाना जाता है। बता दें कि यह इमारत मुगलों द्वारा बनवाई गई थी। छतर्दी में शानदार स्तंभ और गुंबद हैं, जो आपको अतीत की समृद्धि की याद दिलाते हैं। यह स्थान इतिहास प्रेमियों के लिए एक बेहतरीन जगह है।

दरगाह शाह विलायत : नारनौल की प्रसिद्ध जगहों में से एक है दरगाह शाह विलायत। इस स्थान की शांति और धार्मिक आस्था यहां के नजारे को और भी खास बनाता है। अगर आप नारनौल घूमने का प्लान बना रहे है तो आप दरगाह शाह विलायत जरुर जाएं।

सुविचार

जिंदगी हर मोड़ पर नया सबक देती है बस मुस्कुराकर उसे स्वीकार करना सीखिए।

कल का पंचांग

तिथि	नवमी	06:52-04:37 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	कृत्तिका	08:13-06:43 तक	माह	श्रावण
सूर्योदय		5:50 AM	चन्द्रोदय	12:33 AM
सूर्यास्त		7:00 PM	चंद्रास्त	02:57 PM
सूर्य राशि		कर्क राशि	चंद्र	वृषभ राशि
शुभ मुहूर्त		11:58AM-12:51 PM	ब्रहम् मुहूर्त	03:53-04:41
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		10:46 AM: 12:25 PM	वार	शुक्रवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8.00 से दोपहर 01.30 बजे तक और शाम 4.00 से रात 9.00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6.30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6.30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7.30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेष: आत्मविश्वास बढ़ेगा, कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिलेगी। परिवार का सहयोग रहेगा, खर्च नियंत्रित रखें, स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, यात्रा संभव।

वृषभ: आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, रुका धन मिलने के संकेत हैं। रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी, कार्यों में सफलता मिलेगी, मन प्रसन्न रहेगा।

मिथुन: नई योजनाएं लाभ देंगी, नौकरी में प्रगति संभव है। मित्रों का सहयोग मिलेगा, निवेश सोच-समझकर करें, तनाव दूर होगा।

कर्क: पारिवारिक वातावरण सुखद रहेगा, करियर में नए अवसर मिलेंगे। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी, स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, सम्मान मिलेगा।

सिंह: आत्मविश्वास से कठिन कार्य पूरे होंगे। व्यापार में लाभ मिलेगा, दांपत्य जीवन मधुर रहेगा।

कन्या: मेहनत का पूरा फल मिलेगा, अधिकारियों का सहयोग रहेगा। आर्थिक लाभ संभव है, परिवार में खुशियां आएंगी, यात्रा शुभ रहेगी।

तुला: भाग्य का साथ मिलेगा, रुके कार्य पूरे होंगे। विद्यार्थियों को सफलता मिलेगी, रिश्तों में विश्वास बढ़ेगा, स्वास्थ्य बेहतर रहेगा।

वृश्चिक: कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिलेंगी, धैर्य बनाए रखें। आर्थिक स्थिति सुधरेगी, परिवार के साथ सुखद समय बिताएंगे, प्रसन्न रहेंगे।

धनु: व्यापार में उन्नति होगी, निवेश लाभदायक रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा, पारिवारिक संबंध मजबूत होंगे।

मकर: नौकरी में पदोन्नति के योग बनेंगे, मेहनत रंग लाएगी। आर्थिक लाभ मिलेगा।

कुंभ: नए संपर्क लाभदायक साबित होंगे, रुका कार्य पूरा होगा। परिवार में खुशी रहेगी, विद्यार्थियों को शुभ समाचार मिल सकता है।

मीन: रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी, आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा, मानसिक शांति बनी रहेगी, सम्मान बढ़ेगा।

सावन में लगाएं पवित्र पौधे, घर में सदैव आएगी सुख समृद्धि

बेलपत्र, शमी, तुलसी बढ़ाते हैं आध्यात्मिक ऊर्जा

अपराजिता, हरश्रृंगार से महकेगा घर, मिलेगा शुभ वातावरण

यूनिक समय, मथुरा। सावन का महीना भगवान शिव की आराधना के साथ प्रकृति संरक्षण का भी संदेश देता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस पवित्र मास में कुछ विशेष पौधे लगाने से घर का वातावरण सकारात्मक बना रहता है और आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार होता है। श्रद्धालु मानते हैं कि इन पौधों की नियमित सेवा और पूजा से सुख-शांति तथा समृद्धि का आशीर्वाद मिलता है।

भगवान शिव को बेलपत्र अत्यंत प्रिय माना जाता है। इसलिए सावन में बेल का पौधा लगाना शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इसकी तीन पत्तियां त्रिदेव और भगवान शिव के त्रिनेत्र का प्रतीक हैं। वहीं शमी का पौधा शनिदेव से जुड़ा माना जाता है। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार इसकी पूजा से शनि संबंधी कष्टों में राहत मिलने की मान्यता है। तुलसी का पौधा भी हिंदू धर्म में विशेष स्थान रखता है। इसे घर में लगाने से वातावरण पवित्र और सकारात्मक बना रहने की बात कही जाती है।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

अपराजिता का पौधा देवी शक्ति और विजय का प्रतीक माना जाता है। इसके नीले और सफेद फूल पूजा-पाठ में उपयोग किए जाते हैं। मान्यता है कि इसे लगाने से सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास बढ़ता है। वहीं हरश्रृंगार, जिसे पारिजात भी कहा जाता है, अपने सुगंधित फूलों के कारण धार्मिक महत्व रखता है। इसके फूल भगवान शिव और भगवान विष्णु की पूजा में अर्पित किए जाते हैं।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सावन में इन पांच पौधों-बेलपत्र, शमी, तुलसी, अपराजिता और हरश्रृंगार-का रोपण शुभ माना जाता है। हालांकि इनसे जुड़े लाभ आस्था और परंपराओं पर आधारित हैं। इन पौधों का रोपण न केवल पर्यावरण संरक्षण में योगदान देता है, बल्कि हरियाली बढ़ाकर प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी निभाने का भी संदेश देता है। सावन में पौधारोपण को धार्मिक आस्था के साथ पर्यावरण संरक्षण का सुंदर संगम माना जाता है।

गुरु और शनि का संयोग चमकाएगा तीन राशियों का भाग्य

करियर, धन, सम्मान मिलने के बनेंगे नए शुभ योग

यूनिक समय, मथुरा। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार ग्रहों और नक्षत्रों का परिवर्तन समय-समय पर सभी राशियों पर अलग-अलग प्रभाव डालता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार अगस्त में बनने वाला गुरु और शनि का विशेष संयोग कुछ राशियों के लिए शुभ फलदायी माना जा रहा है। ज्योतिषाचार्यों का कहना है कि वर्तमान में देवगुरु बृहस्पति पुष्य नक्षत्र में विराजमान हैं और 19 अगस्त से शनि के नक्षत्र में प्रवेश करेंगे। इस परिवर्तन को ज्योतिष की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार इस संयोग का सबसे अधिक प्रभाव मेष, मिथुन और तुला राशि के जातकों पर पड़ सकता है। इन राशियों के लोगों को करियर में नई जिम्मेदारियां मिलने, रुके हुए कार्य पूरे होने और आर्थिक स्थिति मजबूत होने की संभावना जताई जा रही है। व्यापार में विस्तार, नौकरी में पदोन्नति के अवसर और निवेश से लाभ मिलने जैसे शुभ योग भी बन सकते हैं। साथ ही सामाजिक प्रतिष्ठा और सम्मान में वृद्धि होने की भी संभावना व्यक्त की गई है। हालांकि, यह सभी संभावनाएं ज्योतिषीय मान्यताओं पर आधारित हैं और प्रत्येक व्यक्ति का अनुभव अलग हो सकता है।

ज्योतिषाचार्यों का मानना है कि पुष्य नक्षत्र को शुभता और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। जब गुरु का संबंध शनि के नक्षत्र से बनता है तो कर्म, अनुशासन और धैर्य का महत्व बढ़ जाता है। इसलिए इस अवधि में मेहनत, ईमानदारी और सकारात्मक सोच के साथ अपने कार्यों पर ध्यान देना लाभकारी माना जाता है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार प्रतिदिन भगवान बृहस्पति और शनिदेव का स्मरण, प्रार्थना तथा अच्छे कर्म करने से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। आस्था रखने वाले श्रद्धालु इसे शुभ फल प्राप्ति का माध्यम मानते हैं। हालांकि, जीवन में सफलता के लिए परिश्रम, सही निर्णय और निरंतर प्रयास सबसे महत्वपूर्ण आधार माने जाते हैं।

इन तीन राशियों की होती है सबसे तेज याददाश्त

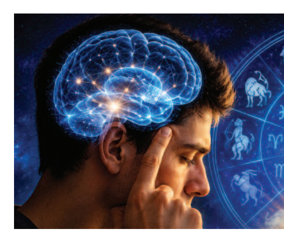

बुध का प्रभाव बढ़ाता है बुद्धि और स्मरण शक्ति

मिथुन, कन्या, वृश्चिक को माना जाता है स्मरण शक्ति में अव्वल

यूनिक समय, मथुरा। ज्योतिष शास्त्र में कुछ राशियों के जातकों को तीव्र बुद्धि और मजबूत स्मरण शक्ति वाला माना जाता है। धार्मिक और ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार इन लोगों को छोटी-छोटी बातें भी लंबे समय तक याद रहती हैं। हालांकि यह मान्यताएं आस्था पर आधारित हैं और इनका कोई सार्वभौमिक वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है।

ज्योतिष के अनुसार मिथुन और कन्या राशि के स्वामी बुध ग्रह हैं। बुध को बुद्धि, तर्क, संवाद और स्मरण शक्ति का कारक माना जाता है। मान्यता है कि इन राशियों के जातक पुरानी घटनाओं और महत्वपूर्ण जानकारियों को लंबे समय तक याद रखने में सक्षम होते हैं। उनकी विश्लेषण क्षमता भी बेहतर मानी जाती है।

ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार वृश्चिक राशि के जातकों की याददाश्त भी काफी मजबूत मानी जाती है। कहा जाता है कि ये लोग छोटी-छोटी घटनाओं और अनुभवों को भी लंबे समय तक याद रखते हैं। इन्हीं गुणों के कारण शिक्षा, शोध और विश्लेषण से जुड़े क्षेत्रों में उन्हें लाभ मिलने की संभावना बताई जाती है। हालांकि किसी व्यक्ति की स्मरण शक्ति उसकी जीवनशैली, अभ्यास और मानसिक स्वास्थ्य पर भी निर्भर करती है।

सावन में गोमुखी शंख लाएं, घर भरें सकारात्मक ऊर्जा से

गोमुखी शंख की पहचान करें सही तरीके से

शिवाभिषेक और शंखनाद से प्रतिदिन बढ़ती है धार्मिक आस्था

यूनिक समय, मथुरा। सावन का पवित्र महीना भगवान शिव की आराधना के लिए सबसे शुभ माना जाता है। इस दौरान भक्त शिवलिंग पर जलाभिषेक, रुद्राभिषेक और विशेष पूजा-अर्चना करते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, गोमुखी शंख का उपयोग सावन में विशेष फलदायी माना जाता है। कहा जाता है कि नियमित रूप से गोमुखी शंख का पूजन और शंखनाद करने से घर का वातावरण सकारात्मक बना रहता है तथा आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार होता है। गोमुखी शंख दुर्लभ शंखों में गिना जाता है। इसकी सबसे बड़ी पहचान इसका मुख होता है, जो गाय के मुख की तरह थोड़ा लंबा और मुड़ा हुआ दिखाई देता है। इसी विशेष आकार के कारण इसे गोमुखी शंख कहा जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इस शंख से भगवान शिव का जलाभिषेक करना अत्यंत शुभ माना जाता है। सावन के सोमवार, प्रदोष और अन्य विशेष अवसरों पर इससे जल अर्पित करने से शिव कृपा प्राप्त होने की मान्यता है। हालांकि, यह आस्था का विषय है और इसके लाभों के वैज्ञानिक प्रमाण उपलब्ध नहीं हैं। मान्यता है कि नियमित रूप से गोमुखी शंख बजाने से घर में सकारात्मक वातावरण बना रहता है और पूजा का आध्यात्मिक महत्व बढ़ता है। कई लोग इसे वास्तु दोष दूर करने और सुख-शांति का प्रतीक भी मानते हैं। कुछ पारंपरिक मान्यताओं में शंखनाद को वातावरण की शुद्धि से भी जोड़ा जाता है, हालांकि इस संबंध में वैज्ञानिक निष्कर्ष स्पष्ट नहीं हैं।

पूजा सामग्री के विक्रेताओं के अनुसार, सावन में गोमुखी शंख की मांग बढ़ जाती है। खरीदते समय उसके प्राकृतिक आकार, चमक और बनावट पर विशेष ध्यान देना चाहिए, ताकि असली और नकली शंख की पहचान की जा सके। यदि आप भी सावन में अपनी पूजा को अधिक पारंपरिक और आध्यात्मिक बनाना चाहते हैं, तो गोमुखी शंख को पूजा सामग्री में शामिल कर सकते हैं। धार्मिक आस्था के साथ इसका उपयोग करने से पूजा का अनुभव और अधिक श्रद्धामय बन सकता है।

सम्पादकीय

मोबाइल स्क्रीन तय करेगी सत्ता की अगली तस्वीर

उत्तर प्रदेश की राजनीति कभी चौपाल, चौराहे और चुनावी रैलियों से चलती थी, लेकिन अब मोबाइल की छोटी-सी स्क्रीन भी लोकतंत्र का नया चौपाल बन चुकी है। पहले नेता मंच से भाषण देते थे, अब 30 सेकंड की रील में जनता का फैसला तलाश रहे हैं। सवाल यह है कि 2029 का चुनाव मतपेटी से पहले मोबाइल स्क्रीन पर जीता जाएगा या फिर बूथ तक पहुंचते-पहुंचते एल्गोरिदम की हवा निकल जाएगी?

हाल के दिनों में परीक्षा अनियमितताओं को लेकर उभरे 'कॉकरोच जनता पार्टी' जैसे व्यंग्यात्मक अभियान ने दिखा दिया कि बिना बड़े संगठन और करोड़ों के प्रचार बजट के भी सोशल मीडिया राजनीतिक बहस छेड़ सकता है। आज मीम कई बार भाषण से भारी पड़ जाता है और वायरल वीडियो प्रेस कॉन्फ्रेंस को पीछे छोड़ देता है। राजनीति का नया मंत्र है-"जो ट्रेंड करेगा, वही चर्चा करेगा।"

पवन गौतम
संपादक

उत्तर प्रदेश में इसका असर सबसे ज्यादा दिखाई दे सकता है। देश के सबसे बड़े राजनीतिक राज्य में करोड़ों युवा मतदाता इंस्टाग्राम, यूट्यूब और व्हाट्सएप पर सक्रिय हैं। गांवों की चाय की दुकानों से लेकर शहरों के कोचिंग सेंटर तक चुनावी बहस अब मोबाइल से निकलकर जुबान पर आ रही है। नेता भी समझ चुके हैं कि मंच पर हजार लोगों को जुटाने से आसान है एक वीडियो से लाखों लोगों तक पहुंच जाना।

स्कैन करें

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

लेकिन इस डिजिटल मेले का दूसरा चेहरा भी है। यहां सच और झूठ दोनों हाई-स्पीड इंटरनेट पर दौड़ते हैं। एआई से बने डीपफेक, आधे-अधूरे वीडियो और भ्रामक पोस्ट कई बार वोटर को उतना ही भ्रमित कर देते हैं, जितना चुनावी मौसम में मुफ्त वादों की बारिश। एल्गोरिदम यह नहीं देखता कि कौन सच बोल रहा है, वह केवल यह देखता है कि किसे ज्यादा क्लिक मिल रहे हैं।

यही वजह है कि 2029 का चुनाव केवल रीलों का नहीं, रियल राजनीति का भी होगा। उत्तर प्रदेश में जातीय समीकरण, स्थानीय नेतृत्व, बूथ प्रबंधन और उम्मीदवार की साख अब भी उतनी ही महत्वपूर्ण रहेंगी। सोशल मीडिया माहौल बना सकता है, लेकिन मतदान केंद्र तक मतदाता को पैदल ही जाना होगा। इसलिए लोकतंत्र के इस नए दौर में मतदाता के लिए सबसे बड़ा मंत्र यही है-रील देखकर मुस्कुराइए, मीम पढ़कर हंस लीजिए, लेकिन वोट देने से पहले तथ्यों की जांच जरूर कीजिए। आखिर लोकतंत्र "लाइक" से नहीं, सही "चॉइस" से चलता है।

नजरिया

जंक फूड की जंजीरों में कैद बचपन, कब जागेगा समाज?

बोध प्रकाश सगुणी

किसी भी देश का भविष्य उसकी ऊंची इमारतों, चौड़ी सड़कों या आधुनिक तकनीक से नहीं, बल्कि उसके बच्चों के स्वास्थ्य से तय होता है। यदि बचपन स्वस्थ, ऊर्जावान और पोषण से भरपूर होगा तो राष्ट्र की प्रगति स्वतः सुनिश्चित होगी। लेकिन आज की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि बच्चों की थाली से पौष्टिक भोजन धीरे-धीरे गायब हो रहा है और उसकी जगह जंक फूड, शीतल पेय तथा अत्यधिक प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ लेते जा रहे हैं। स्वाद और सुविधा की इस दौड़ में बचपन का स्वास्थ्य दांव पर लग चुका है। यही कारण है कि महाराष्ट्र सरकार द्वारा स्कूलों और उनके आसपास जंक फूड की बिक्री व प्रचार पर प्रतिबंध लगाने का फैसला केवल एक प्रशासनिक निर्णय नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को स्वस्थ भविष्य देने की दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम माना जाना चाहिए।

आज के बच्चे पहले की तुलना में अधिक पढ़े-लिखे और तकनीक से जुड़े हैं, लेकिन खान-पान की आदतें लगातार बिगड़ रही हैं। रंग-बिरंगे पैकेट, आकर्षक विज्ञापन, ऑनलाइन प्रचार और हर गली में उपलब्ध फास्ट फूड बच्चों को अपनी ओर तेजी से आकर्षित कर रहे हैं। स्थिति यह है कि घर का दाल-चावल, रोटी-सब्जी या मौसमी फल उन्हें कम पसंद आते हैं, जबकि पिज्जा, बर्गर, चिप्स, नूडल्स और कोल्ड ड्रिंक उनकी पहली पसंद बन चुके हैं। यह बदलाव केवल स्वाद का नहीं, बल्कि जीवनशैली का संकट है, जिसके दूरगामी परिणाम पूरे समाज को भुगतने पड़ सकते हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ लगातार चेतावनी दे रहे हैं कि अधिक नमक, चीनी और वसा वाले खाद्य पदार्थ बच्चों में मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और हृदय रोग जैसी गंभीर बीमारियों का कारण बन रहे हैं। जो बीमारियां कभी अधेड़ उम्र में दिखाई देती थीं, वे अब किशोरों और छोटे बच्चों में भी देखने को मिल रही हैं। मानसिक स्वास्थ्य पर भी इसका असर पड़ रहा है। लगातार जंक फूड खाने वाले बच्चों में एकाग्रता की कमी, चिड़चिड़ापन और शारीरिक सक्रियता में गिरावट जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। यह केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य का नहीं, बल्कि देश की भविष्य की कार्यक्षमता और उत्पादकता का भी प्रश्न है। चिंता की बात यह भी है कि जंक फूड अब केवल भोजन नहीं रहा, बल्कि एक बड़ा व्यावसायिक उद्योग बन चुका है। कंपनियां बच्चों को लक्ष्य बनाकर ऐसे विज्ञापन तैयार करती हैं, जिनमें लोकप्रिय खिलाड़ी, फिल्मी सितारे और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर उनके पसंदीदा उत्पादों का प्रचार करते दिखाई देते हैं। चमकदार पैकेजिंग और आकर्षक ऑफर बच्चों के मन में यह धारणा बना देते हैं कि यही आधुनिक जीवनशैली का प्रतीक है। ऐसे माहौल में केवल अभिभावकों को दोष देना उचित नहीं होगा। सरकार, उद्योग, विद्यालय और समाज सभी की साझा जिम्मेदारी बनती है कि बच्चों को सही दिशा दी जाए। विद्यालय इस परिवर्तन की सबसे मजबूत कड़ी बन सकते हैं। स्कूल केवल पढ़ाई का स्थान नहीं, बल्कि बच्चों के व्यक्तित्व और आदतों के निर्माण का केंद्र होते हैं। यदि विद्यालयों की कैंटीन में पौष्टिक भोजन, ताजे फल, अंकुरित अनाज, बाजरा, ज्वार, दही, छाछ और स्थानीय व्यंजन उपलब्ध कराए जाएं तो बच्चों की भोजन संबंधी सोच बदली जा सकती है। पोषण शिक्षा को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाए और बच्चों को रसोई बाग या किचन गार्डन से जोड़ा जाए तो वे प्राकृतिक भोजन के महत्व को व्यवहारिक रूप से समझ पाएंगे। केवल प्रतिबंध लगाने से समस्या समाप्त नहीं होगी, स्वस्थ विकल्प भी उतने ही आकर्षक और सुलभ बनाने होंगे। भारत की पारंपरिक भोजन संस्कृति अपने आप में वैज्ञानिक और संतुलित रही है। मोटे अनाज, दालें, मौसमी फल, हरी सब्जियां, घर का ताजा भोजन और पारंपरिक पेय शरीर को आवश्यक पोषण देते हैं। दुर्भाग्य से

आधुनिकता की अंधी दौड़ में हमने इन्हें पिछड़ेपन का प्रतीक मान लिया और पैकेटबंद खाद्य पदार्थों को आधुनिक जीवनशैली समझ लिया। अब समय आ गया है कि हम अपनी पारंपरिक खान-पान की विरासत को नए रूप में बच्चों तक पहुंचाएं। यदि स्वाद और स्वास्थ्य का संतुलन बनाया जाए तो बच्चे भी खुशी-खुशी पौष्टिक भोजन अपनाएंगे। अभिभावकों की भूमिका सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। बच्चे वही सीखते हैं जो वे अपने घर में देखते हैं। यदि माता-पिता स्वयं जंक फूड का अधिक सेवन करेंगे तो बच्चों से स्वस्थ आदतों की अपेक्षा करना कठिन होगा। परिवार में साथ बैठकर भोजन करने की परंपरा, घर का ताजा खाना, बच्चों को रसोई के छोटे-छोटे कार्यों में शामिल करना और बाहर के भोजन को सीमित करना जैसे छोटे कदम बड़े बदलाव ला सकते हैं। भोजन केवल पेट भरने का साधन नहीं, बल्कि परिवार, संस्कार और स्वास्थ्य का आधार भी है। सरकारों को भी व्यापक स्तर पर नीति बनाने की आवश्यकता है। बच्चों को लक्ष्य बनाकर किए जाने वाले भ्रामक विज्ञापनों पर सख्ती, पैकेटबंद खाद्य पदार्थों पर स्पष्ट चेतावनी, स्कूलों के आसपास जंक फूड की बिक्री पर प्रभावी नियंत्रण, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, पोषण जागरूकता अभियान और खेल मैदानों की उपलब्धता बढ़ाने जैसे कदम समय की मांग हैं। स्वास्थ्य और शिक्षा विभाग यदि मिलकर कार्य करें तो बच्चों में स्वस्थ जीवनशैली विकसित करना कहीं अधिक आसान होगा।

स्वस्थ बचपन केवल स्वास्थ्य का विषय नहीं, बल्कि आर्थिक विकास का भी आधार है। आज बच्चों के पोषण पर किया गया निवेश भविष्य में बेहतर मानव संसाधन, कम स्वास्थ्य खर्च और अधिक उत्पादक नागरिकों के रूप में कई गुना लाभ देता है। इसलिए बच्चों के स्वास्थ्य पर होने वाला खर्च किसी भी दृष्टि से व्यय नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का सबसे लाभदायक निवेश है। महाराष्ट्र सरकार का निर्णय पूरे देश के लिए प्रेरणा बन सकता है, लेकिन इसकी सफलता केवल सरकारी आदेशों से नहीं, बल्कि जनभागीदारी से तय होगी। जब अभिभावक, शिक्षक, चिकित्सक, समाज और सरकार मिलकर बच्चों की थाली को स्वस्थ बनाने का संकल्प लेंगे, तभी वास्तविक परिवर्तन संभव होगा। विकसित भारत की पहचान केवल डिजिटल तकनीक या आर्थिक विकास से नहीं होगी, बल्कि ऐसे स्वस्थ, जागरूक और अनुशासित बच्चों से होगी जो भविष्य में मजबूत राष्ट्र का निर्माण करें। आज आवश्यकता केवल जंक फूड से दूरी बनाने की नहीं, बल्कि स्वस्थ भोजन को जीवन का उत्सव बनाने की है। जिस दिन हर घर और हर स्कूल में स्वाद से पहले पोषण को प्राथमिकता मिलेगी, उसी दिन भारत का भविष्य वास्तव में सुरक्षित होगा। स्वस्थ बचपन ही समृद्ध भारत की सबसे मजबूत नींव है और यही समय का सबसे बड़ा राष्ट्रीय संकल्प होना चाहिए।

विचार विंडो

एआई तकनीक बनेगी सहायक, न्याय करेगा केवल न्यायाधीश

नीरज कुमार दुबे

भारतीय न्यायपालिका तेजी से डिजिटल युग की ओर बढ़ रही है। अदालतों में लंबित मामलों का बोझ कम करने, दस्तावेजों के बेहतर प्रबंधन, शोध कार्य को सरल बनाने और आम नागरिकों को न्यायिक सेवाएं सहज उपलब्ध कराने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का उपयोग बढ़ रहा है। लेकिन इस तकनीकी बदलाव के बीच सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि न्याय का अंतिम निर्णय अब भी इंसान ही करेगा। एआई न्यायाधीश की सहायता कर सकती है, उसका स्थान नहीं ले सकती। यही संतुलित सोच भारत की न्यायिक व्यवस्था को आधुनिक बनाने के साथ-साथ उसकी विश्वसनीयता भी बनाए रखेगी।

आज पूरी दुनिया में एआई ने स्वास्थ्य, शिक्षा, बैंकिंग, उद्योग और प्रशासन जैसे क्षेत्रों में अपनी उपयोगिता साबित की है। न्यायपालिका भी इससे अछूती नहीं है। भारत में अदालतों के डिजिटलीकरण की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। "वन केस, वन डेटा" जैसी पहल और राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र द्वारा विकसित डिजिटल प्लेटफॉर्म इस बात का संकेत हैं कि भविष्य की अदालतें तकनीक से अधिक सक्षम और व्यवस्थित होंगी। इससे वकीलों, न्यायिक अधिकारियों और आम लोगों को केस की जानकारी, आदेश, सूची और अन्य सेवाएं पहले की तुलना में कहीं अधिक आसानी से उपलब्ध होंगी।

हालांकि, न्याय केवल तथ्यों का संग्रह नहीं होता। हर मुकदमे के पीछे परिस्थितियां, मानवीय भावनाएं, सामाजिक संदर्भ, संवैधानिक मूल्य और न्यायिक विवेक भी जुड़ा होता है। यही कारण है कि एआई चाहे कितनी भी उन्नत क्यों न हो जाए, वह न्यायाधीश की संवेदनशीलता और अनुभव का विकल्प नहीं बन सकती। मशीन आंकड़ों का विश्लेषण कर सकती है, लेकिन वह इंसानी पीड़ा, सामाजिक परिस्थितियों और नैतिक जिम्मेदारी को उसी गहराई से नहीं समझ सकती, जैसी समझ एक न्यायाधीश विकसित करता है।

एआई का सबसे बड़ा गुण उसकी गति है। वह कुछ ही क्षणों में हजारों दस्तावेजों का अध्ययन कर आवश्यक जानकारी उपलब्ध करा सकती है। इससे शोध कार्य तेज होगा, कानूनी मिसालें खोजने में समय बचेगा और न्यायिक प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित बन सकेगी। लेकिन यही तकनीक कभी-कभी गलत या काल्पनिक जानकारी भी प्रस्तुत कर सकती है। इसे तकनीकी भाषा में

"हैलुसिनेशन" कहा जाता है। यदि अदालतें बिना सत्यापन के ऐसी जानकारी पर भरोसा करें तो न्याय व्यवस्था की विश्वसनीयता प्रभावित हो सकती है। इसलिए प्रत्येक एआई आधारित सुझाव की मानवीय समीक्षा अनिवार्य रहनी चाहिए।

इसी चुनौती को देखते हुए अब दुनिया भर में रिट्रीवल-ऑगमेंटेड जेनरेशन जैसी तकनीकों पर जोर दिया जा रहा है। इस प्रणाली में एआई पहले प्रमाणित कानूनी दस्तावेज, अधिनियम, न्यायिक निर्णय और अधिकृत अभिलेखों से जानकारी प्राप्त करती है, फिर उसी आधार पर उत्तर तैयार करती है। इससे गलत जानकारी देने की संभावना काफी कम हो जाती है।

भारत में भी यदि भविष्य में लीगल एआई का व्यापक उपयोग किया जाता है तो केवल भाषा मॉडल पर्याप्त नहीं होंगे, बल्कि उन्हें प्रमाणित कानूनी डेटाबेस से जोड़ना आवश्यक होगा। भारत के पास अपना स्वदेशी लीगल एलएलएम विकसित करने की पर्याप्त क्षमता मौजूद है। ई-कोर्ट परियोजना के माध्यम से लाखों न्यायिक फैसले पहले से डिजिटल रूप में उपलब्ध हैं। देश के आईआईटी, राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, तकनीकी विशेषज्ञ, न्यायविद और अनुभवी अधिवक्ता इस दिशा में मजबूत आधार प्रदान करते हैं। यदि इन सभी संसाधनों का समन्वित उपयोग किया जाए तो भारतीय कानून, संविधान और भाषाई विविधता को समझने वाला एक विश्वसनीय एआई मॉडल विकसित किया जा सकता है।

फिर भी चुनौतियां कम नहीं हैं। भारत में सैकड़ों भाषाएं और बोलियां प्रचलित हैं। प्रत्येक राज्य की न्यायिक प्रक्रियाओं और स्थानीय परिस्थितियों में भी अंतर है। ऐसे में एक ऐसा एआई मॉडल तैयार करना, जो सभी भाषाओं और कानूनी जटिलताओं को समान रूप से समझ सके, आसान कार्य नहीं होगा। इसके अतिरिक्त यदि एआई किसी कानूनी सलाह या शोध में त्रुटि कर दे तो उसकी जिम्मेदारी किसकी होगी, यह प्रश्न भी बेहद महत्वपूर्ण है। तकनीक विकसित करने वाली संस्था, उसका उपयोग करने वाला विभाग या उस पर भरोसा करने वाला व्यक्ति-जवाबदेही का स्पष्ट ढांचा तैयार किए बिना एआई पर पूर्ण निर्भरता उचित नहीं होगी। न्यायपालिका की सबसे बड़ी ताकत उसका निष्पक्ष और स्वतंत्र निर्णय है। संविधान, कानून और न्यायिक विवेक पर आधारित यह व्यवस्था नागरिकों का विश्वास अर्जित करती है। इसलिए एआई को केवल सहायक उपकरण के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। वह दस्तावेज तैयार करने, अनुवाद, प्रतिलेखन, रिकॉर्ड प्रबंधन, केस शेड्यूलिंग और कानूनी शोध जैसे कार्यों में उपयोगी साबित हो सकती है, लेकिन अंतिम निर्णय का अधिकार हमेशा न्यायाधीश के पास ही रहना चाहिए। आने वाले वर्षों में अदालतों में तकनीक का उपयोग निश्चित रूप से बढ़ेगा। इससे न्यायिक प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, तेज और सुगम बनेगी। लेकिन तकनीक तभी सफल मानी जाएगी, जब वह न्यायपालिका के मूल सिद्धांतों-निष्पक्षता, जवाबदेही और मानवीय संवेदनशीलता-को और मजबूत बनाए। आखिरकार न्याय केवल कानून की व्याख्या नहीं, बल्कि समाज के विश्वास की रक्षा भी है। इसलिए भविष्य की अदालतों में एआई महत्वपूर्ण सहयोगी अवश्य होगी, लेकिन न्याय की अंतिम आवाज हमेशा इंसानी विवेक ही रहेगा।

चोटिल कुसल मेंडिस के पहले टेस्ट से बाहर होने के आसार

भारत सीरीज से पहले श्रीलंका को झटका

हैमस्ट्रिंग चोट से अब तक नहीं उबर पाए स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज टीम घोषणा भी अटकी

15 अगस्त से शुरू होगी टेस्ट सीरीज

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत और श्रीलंका के बीच 15 अगस्त से शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले मेजबान टीम की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं।

श्रीलंका के अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज कुसल मेंडिस के पहले टेस्ट में खेलने पर संशय गहरा गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वह अभी तक हैमस्ट्रिंग चोट से पूरी तरह फिट नहीं हो सके हैं। हालांकि, श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने अभी तक इस पर आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है और न ही टेस्ट सीरीज के लिए टीम की घोषणा की है।

कुसल मेंडिस को लंका प्रीमियर लीग के दौरान 19 जुलाई को कोलंबो कैप्स और कैंडी रॉयल्स के मुकाबले में दाहिने पैर की हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी। इसके बाद वह टूर्नामेंट के बाकी मुकाबलों से बाहर हो गए थे। शुरुआती उम्मीद थी कि वह भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज तक फिट हो जाएंगे, लेकिन ताजा रिपोर्ट्स के अनुसार उनकी रिकवरी अपेक्षा से धीमी रही है। ऐसे में पहले टेस्ट में उनका खेलना मुश्किल माना जा रहा है।

श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड द्वारा अब तक टीम की घोषणा नहीं किए जाने से भी अटकलों का दौर तेज हो गया है। माना जा रहा है कि चयन समिति कुसल मेंडिस की फिटनेस रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। यदि वह पूरी तरह फिट नहीं पाए जाते हैं तो पहले टेस्ट के लिए उनके स्थान पर किसी अन्य खिलाड़ी को मौका दिया जा सकता है।

कुसल मेंडिस श्रीलंका की बल्लेबाजी की अहम कड़ी माने जाते हैं। उन्होंने अब तक 75 टेस्ट मैचों में 4500 से अधिक रन बनाए हैं। इसके अलावा 156 वनडे में करीब 5000 रन और 109 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 2500 से ज्यादा रन उनके नाम दर्ज हैं। बड़े मैचों में उनकी अनुभवभरी बल्लेबाजी टीम के लिए हमेशा उपयोगी रही है।

उधर भारतीय टीम श्रीलंका पहुंच चुकी है और 7 अगस्त से श्रीलंका इलेवन के खिलाफ अभ्यास मैच खेलेगी। ऐसे में दोनों टीमों की तैयारियां अंतिम दौर में हैं। अब सभी की नजरें श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड की आधिकारिक टीम घोषणा और कुसल मेंडिस की फिटनेस अपडेट पर टिकी हैं, क्योंकि उनका बाहर होना मेजबान टीम के लिए सीरीज शुरू होने से पहले किसी बड़े झटके से कम नहीं होगा।

80 की उम्र में भी हौंसले से जी रहीं है उषा नाडकर्णी

पति से वर्षों पहले हुआ अलगाव

बेटे से भी भावनात्मक दूरी

यूनिक समय, नई दिल्ली। 'पवित्र रिश्ता' में अपने दमदार अभिनय से घर-घर पहचान बनाने वाली वरिष्ठ अभिनेत्री उषा नाडकर्णी ने 80 वर्ष की उम्र में अपनी निजी जिंदगी के उन पहलुओं का खुलासा किया है, जिन्हें उन्होंने वर्षों तक सार्वजनिक नहीं किया। उन्होंने बताया कि बचपन से लेकर आज तक उनका जीवन संघर्षों और अकेलेपन से भरा रहा, लेकिन उन्होंने कभी हालात के सामने हार नहीं मानी। उषा नाडकर्णी ने बताया कि उनका बचपन बेहद कठिन परिस्थितियों में बीता। पिता के सख्त और हिंसक व्यवहार के कारण पूरा परिवार भय के साए में रहता था। अभिनय का सपना देखने पर परिवार का भी विरोध झेलना पड़ा और एक समय ऐसा भी आया जब उन्हें घर छोड़ना पड़ा। इसके बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और अभिनय की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाई। अभिनेत्री ने अपने वैवाहिक जीवन को लेकर भी खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि पति से उनका वर्षों पहले अलगाव हो गया था। हालांकि रिश्तों में कड़वाहट नहीं है, लेकिन दोनों लंबे समय से अलग-अलग जीवन जी रहे हैं। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि काम की व्यस्तता के कारण वह अपने बेटे को पर्याप्त समय नहीं दे सकीं। बेटा अपने ननिहाल में बड़ा हुआ और आज भी वह अपनी नानी को ही मां मानता है। इस बात का दर्द उषा नाडकर्णी के शब्दों में साफ झलकता है। उन्होंने बताया कि वर्ष 1987 से वह मुंबई में अकेले रह रही हैं। शुरुआती दिनों में अकेलेपन और असुरक्षा का डर जरूर था, लेकिन समय के साथ उन्होंने खुद को मजबूत बना लिया। अब उन्हें न अकेले रहने का भय है और न ही जीवन के अंतिम पड़ाव की चिंता। उनका मानना है कि जीवन और मृत्यु दोनों प्रकृति के हाथ में हैं, इसलिए हर पल को हिम्मत और आत्मविश्वास के साथ जीना ही सबसे बड़ी ताकत है। आज भी उषा नाडकर्णी अपने जज्बे और सकारात्मक सोच से लाखों लोगों के लिए प्रेरणा बनी हुई हैं।

'एक वरदान' से बदलेगा बिग बॉस का खेल

सलमान खान के नए दांव ने बढ़ाई फैंस की धड़कनें

छह सितंबर से शुरू होगा 'बिग बॉस-20'

नए प्रोमो ने थीम को लेकर बढ़ाई उत्सुकता

यूनिक समय, नई दिल्ली। टेलीविजन के सबसे चर्चित रियलिटी शो 'बिग बॉस' का 20वां सीजन जल्द ही दर्शकों के बीच दस्तक देने जा रहा है। शो के मेकर्स ने नया प्रोमो जारी कर आधिकारिक तौर पर इसकी शुरुआत का ऐलान कर दिया है। प्रोमो में होस्ट सलमान खान एक रहस्यमयी अंदाज में 'एक वरदान' का जिक्र करते नजर आते हैं, जिसने नए सीजन की थीम को लेकर दर्शकों की उत्सुकता कई गुना बढ़ा दी है।

हालांकि मेकर्स ने अभी तक इस ट्विस्ट का पूरा खुलासा नहीं किया है, लेकिन माना जा रहा है कि इस बार घर में ऐसा खास अधिकार या पावर मिलेगी जो पूरे खेल का समीकरण बदल सकती है।

प्रोमो सामने आते ही सोशल मीडिया पर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। फैंस अनुमान लगा रहे हैं कि यह 'वरदान' किसी विशेष पावर कार्ड, इम्युनिटी या गेम बदलने वाले अधिकार के रूप में सामने आ सकता है। सलमान खान भी अपने खास अंदाज में यह संकेत देते दिखाई दे रहे हैं कि इस बार सिर्फ रणनीति नहीं, बल्कि किस्मत भी बड़ा रोल निभाएगी।

शो के प्रतिभागियों को लेकर भी चर्चाएं तेज हैं। हालांकि अभी तक किसी भी नाम की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन सोशल मीडिया और मनोरंजन जगत में जन्नत जुबैर, फैसल शेख, निया शर्मा और सुनील पाल जैसे कई चर्चित नामों की एंट्री की अटकलें लगाई जा रही हैं। हर सीजन की तरह इस बार भी अलग-अलग क्षेत्रों से चर्चित हस्तियों के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है।

पिछले सीजन में अभिनेता गौरव खन्ना ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ट्रॉफी अपने नाम की थी। पूरे सीजन में रणनीति, दोस्ती, टकराव और भावनात्मक पलों ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया था।

अब मेकर्स 20वें सीजन को पहले से ज्यादा भव्य और रोमांचक बनाने की तैयारी में जुटे हैं।

'बिग बॉस 20' का ग्रैंड प्रीमियर 6 सितंबर को होगा। शो का प्रसारण कलर्स टीवी पर रात 10:30 बजे किया जाएगा, जबकि जियोहॉटस्टार पर दर्शक इसे रोजाना रात 9 बजे देख सकेंगे। नए ट्विस्ट और सलमान खान की दमदार मेजबानी के साथ इस सीजन से एक बार फिर जबरदस्त मनोरंजन की उम्मीद की जा रही है।

पेट दर्द से शुरू हुई परेशानी निकली जानलेवा बीमारी

रूटीन टेस्ट में सब था सामान्य, चंद हफ्तों में छीन लिया दुर्लभ कैंसर ने प्रदीप रावत को

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय सिनेमा के दिग्गज अभिनेता प्रदीप रावत के निधन ने फिल्म जगत को गहरा सदमा दिया है। 74 वर्ष की आयु में उनका एक दुर्लभ और आक्रामक ब्लड कैंसर के कारण निधन हो गया। अंतिम संस्कार के बाद उनके बेटे विक्रमादित्य रावत ने पिता के आखिरी दिनों की दर्दभरी कहानी साझा करते हुए बताया कि कुछ सप्ताह पहले तक किसी को अंदाजा भी नहीं था कि एक मामूली दिखने वाली परेशानी इतनी गंभीर साबित होगी। विक्रमादित्य के अनुसार, शुरुआत में प्रदीप रावत को पेट दर्द और संक्रमण जैसी शिकायत हुई थी। नियमित स्वास्थ्य जांच में सभी रिपोर्ट सामान्य आई थीं, इसलिए परिवार को किसी गंभीर बीमारी का संदेह नहीं हुआ। लेकिन दवाइयों के बावजूद तबीयत बिगड़ती गई। विस्तृत जांच में व्हाइट ब्लड सेल काउंट असामान्य रूप से बढ़ा मिला, जिसके बाद उन्हें मुंबई के कोकिलाबेन अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने जांच के बाद दुर्लभ ब्लड कैंसर की पुष्टि की, जिसने बेहद कम समय में शरीर को बुरी तरह प्रभावित कर दिया।

बेटे ने बताया कि अंतिम समय में उनकी प्लेटलेट्स की संख्या तेजी से घटकर केवल 3,000 रह गई थी। आईसीयू में डॉक्टरों को उन्हें बचाने के लिए लगातार प्रयास करते देख परिवार को स्थिति की गंभीरता का एहसास हो गया था। उन्होंने कहा कि पिता के जाने का दुख हमेशा रहेगा, लेकिन अब उन्हें विश्वास है कि वे हर पीड़ा से मुक्त हो चुके हैं।

मुंबई में हुए अंतिम संस्कार में आमिर खान सहित फिल्म 'लगान' की टीम और कई फिल्मी हस्तियां उन्हें श्रद्धांजलि देने पहुंचीं। परिवार ने इस कठिन समय में मिले सहयोग के लिए सभी का आभार जताया। प्रदीप रावत ने अपने लंबे अभिनय करियर में 'महाभारत', 'लगान', 'गजनी' समेत हिंदी और दक्षिण भारतीय सिनेमा की कई यादगार फिल्मों में दमदार अभिनय किया। अपने प्रभावशाली किरदारों के दम पर उन्होंने भारतीय सिनेमा में ऐसी पहचान बनाई, जिसे लंबे समय तक याद रखा जाएगा।

159 रन और बनाकर इतिहास रच देंगे शुभमन गिल

जो रूट का ताज छीनने का सुनहरा मौका

डब्ल्यूटीसी 2025-27 के नंबर-1 रन स्कोरर बनने के करीब भारतीय कप्तान

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत और श्रीलंका के बीच 15 अगस्त से शुरू होने वाली टेस्ट सीरीज टीम इंडिया के कप्तान शुभमन गिल के लिए बेहद खास साबित हो सकती है। शानदार फॉर्म में चल रहे गिल के पास पहले ही टेस्ट में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025-27 के सबसे सफल बल्लेबाज बनने का सुनहरा अवसर है। यदि वह पहली ही पारी में 159 रन बना लेते हैं तो इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज जो रूट को पीछे छोड़कर इस चक्र में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे।

फिलहाल डब्ल्यूटीसी 2025-27 में जो रूट 13 मैचों की 25 पारियों में 1108 रन बनाकर शीर्ष पर हैं, जबकि शुभमन गिल ने केवल 8 मैचों में 950 रन जुटाए हैं। कम मैचों में शानदार औसत के साथ गिल ने अपनी निरंतरता साबित की है और अब वह रिकॉर्ड बुक में नया अध्याय जोड़ने के बेहद करीब हैं। यदि वह यह उपलब्धि हासिल कर लेते हैं तो भारतीय क्रिकेट के लिए भी यह बड़ी उपलब्धि होगी।

इतना ही नहीं, इस सीरीज में गिल के पास डब्ल्यूटीसी इतिहास में 3000 रन पूरे करने का भी मौका है। इस खास मुकाम तक पहुंचने के लिए उन्हें सिर्फ 157 रन की जरूरत है। यानी एक बड़ी पारी उन्हें दो अहम रिकॉर्ड एक साथ दिला सकती है। उनकी मौजूदा फॉर्म को देखते हुए क्रिकेट प्रशंसकों की निगाहें अब इस सीरीज पर टिकी हैं। डब्ल्यूटीसी 2025-27 में रन बनाने वालों की सूची में जो रूट के बाद हैरी ब्रूक (1056 रन) दूसरे स्थान पर हैं, जबकि शुभमन गिल तीसरे नंबर पर मौजूद हैं। इसके बाद बेन डकेट और ट्रैविस हेड का नाम आता है। ऐसे में श्रीलंका के खिलाफ गिल के पास शीर्ष स्थान हासिल करने का शानदार अवसर है।

भारतीय टीम श्रीलंका पहुंच चुकी है और टेस्ट सीरीज से पहले 7 अगस्त से श्रीलंका इलेवन के खिलाफ अभ्यास मैच खेलेगी। यह मुकाबला गिल के लिए लय हासिल करने का अहम मौका होगा। अब सभी की नजरें इस बात पर हैं कि क्या भारतीय कप्तान पहले टेस्ट में ऐतिहासिक पारी खेलकर जो रूट को पीछे छोड़ते हुए नया कीर्तिमान अपने नाम कर पाएंगे।

महंगे एक्सप्रेस-वे पर अठारह दिनों में उभरी निर्माण की गंभीर खामियां

चौरासी स्थानों पर सड़क धंसने के बाद मरम्मत कार्य जारी

निर्माण गुणवत्ता जांचेगी आईआईटी खड़गपुर की विशेषज्ञ टीम

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के हाल ही में शुरू हुए 63 किलोमीटर लंबे एक्सप्रेसवे की गुणवत्ता को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। संचालन शुरू होने के महज 18 दिनों के भीतर सड़क के 84 स्थानों पर धंसाव और दरारें सामने आने के बाद भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने निर्माण एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। प्रभावित हिस्सों पर लगातार मरम्मत का कार्य चल रहा है, जबकि कई स्थानों पर यातायात डायवर्ट कर सड़क दोबारा बनाई जा रही है। निर्माण गुणवत्ता की जांच के लिए आईआईटी खड़गपुर के विशेषज्ञों की टीम को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

ग्राउंड रिपोर्ट के अनुसार कई स्थानों पर सड़क दोबारा बनाने के बाद भी दरारें और धंसाव फिर दिखाई दिए। कुछ हिस्सों में सड़क के नीचे कंपन महसूस होने तथा भारी वाहनों के गुजरने पर सतह बैठने जैसी स्थिति भी सामने आई। इंजीनियरों का मानना है कि सड़क की नींव तैयार करने और मिट्टी के समुचित संपीड़न में लापरवाही इसकी प्रमुख वजह हो सकती है। सड़क किनारे बने शोल्डर और जल निकासी तंत्र के कई हिस्से भी क्षतिग्रस्त पाए गए हैं।

बताया गया कि इस परियोजना पर लगभग 4,700 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं, जिससे यह प्रदेश के सबसे महंगे एक्सप्रेसवे परियोजनाओं में शामिल है। एनएचएआई ने निर्माण कंपनी को गैर-प्रदर्शनकारी घोषित करते हुए उसके तीन अधिकारियों को हटाया है और आगे की जवाबदेही तय करने की प्रक्रिया शुरू की है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि मूल संरचना में तकनीकी कमी पाई जाती है तो प्रभावित हिस्सों का पुनर्निर्माण ही स्थायी समाधान होगा। पूरे मामले की विस्तृत तकनीकी जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

बारिश से मकान ढहा, परिवार के छह सदस्यों की मौत

रात सोते समय छत गिरने से मची भीषण त्रासदी

मलबे से जिंदा निकला बड़ा बेटा राहत कार्य जारी

यूनिक समय, प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में लगातार बारिश के बीच हुए दर्दनाक हादसे में एक ही परिवार के छह लोगों की मौत हो गई। नगर कोतवाली क्षेत्र के महुली मोहल्ले में देर रात लगभग दो बजे करीब 100 वर्ष पुराने मकान की छत अचानक भरभराकर गिर गई। हादसे के समय परिवार के सात सदस्य एक कमरे में सो रहे थे। छत गिरते ही सभी कई फीट ऊंचे मलबे में दब गए। परिवार का बड़ा बेटा किसी तरह बाहर निकलने में सफल रहा और शोर मचाकर आसपास के लोगों को सूचना दी।

सूचना मिलते ही पुलिस, दमकल और राहत दल मौके पर पहुंचे। कई घंटे तक चले बचाव अभियान के बाद सभी को मलबे से बाहर निकालकर जिला अस्पताल भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने छह लोगों को मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मलबे में दबने और दम घुटने से उनकी मृत्यु हुई। मृतकों में परिवार के बुजुर्ग दंपति, उनका बेटा, बहू तथा दो मासूम बच्चे शामिल हैं।

घटना के बाद जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और राहत कार्य का जायजा लिया। प्रशासन ने मृतकों के परिजनों को सरकारी सहायता उपलब्ध कराने की घोषणा की है।

अधिकारियों के अनुसार परिवार के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास स्वीकृत हो चुका था और जल्द ही निर्माण कार्य शुरू होना था, लेकिन उससे पहले यह दुखद हादसा हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मकान काफी पुराना और जर्जर था। लगातार हो रही बारिश के कारण उसकी स्थिति और कमजोर हो गई थी। हादसे के बाद पूरे इलाके में शोक का माहौल है। प्रशासन ने आसपास के जर्जर मकानों की भी जांच कराने के निर्देश दिए हैं, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं को रोका जा सके। मुख्यमंत्री ने घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए अधिकारियों को पीड़ित परिवार को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

आगरा स्टेशन मारपीट मामले की जांच रिपोर्ट अभी तक लंबित

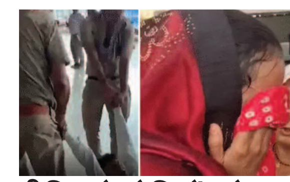

पीड़ित ने दोषियों को बचाने का लगाया आरोप

रिपोर्ट जारी नहीं हुई तो आंदोलन की चेतावनी दी

यूनिक समय, आगरा। आगरा कैंट रेलवे स्टेशन पर उप स्टेशन अधीक्षक नरेंद्र चाहर के साथ कथित मारपीट के मामले में एक महीना बीत जाने के बाद भी जांच रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं हो सकी है। पीड़ित अधिकारी का आरोप है कि जांच पूरी होने के बावजूद रिपोर्ट जारी करने में जानबूझकर देरी की जा रही है। उनका कहना है कि तीन सदस्यीय जांच समिति ने घटनास्थल का निरीक्षण किया, सीसीटीवी फुटेज की जांच की और 24 अधिकारियों व कर्मचारियों के बयान भी दर्ज किए। उनके अनुसार समिति के दो सदस्यों ने रिपोर्ट पर हस्ताक्षर कर दिए हैं, जबकि एक सदस्य के हस्ताक्षर लंबित होने से रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की जा रही है। पीड़ित ने आरोप लगाया कि संबंधित कर्मियों को बचाने के लिए प्रक्रिया को रोका जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द निष्पक्ष जांच रिपोर्ट जारी कर दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई तो पहले ज्ञापन सौंपा जाएगा और उसके बाद आंदोलन शुरू किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि यह मामला संसद के उच्च सदन में भी उठ चुका है। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि जांच अंतिम चरण में है और एक महिला यात्री का बयान दर्ज होने के बाद रिपोर्ट पूरी की जाएगी।

बारिश से ताजमहल परिसर पड़ा सूना, जलभराव बना बड़ी परेशानी

पर्यटकों को बारिश और जलभराव से हुई भारी असुविधा

यूनिक समय, आगरा। आगरा में गुरुवार सुबह हुई मूसलाधार बारिश का असर ताज महल आने वाले पर्यटकों पर साफ दिखाई दिया। सुबह के समय ताजमहल परिसर लगभग सुनसान रहा और देशी-विदेशी पर्यटकों की संख्या काफी कम रही। सबसे अधिक परेशानी पश्चिमी गेट के पास रेड स्टोन मार्ग पर जलभराव के कारण हुई, जहां पानी भरने से पर्यटकों की आवाजाही प्रभावित रही। पुलिस बूथ के आसपास भी पानी जमा होने से स्थिति और कठिन हो गई। निजी वाहनों से पहुंचे कई पर्यटक पार्किंग में ही बारिश रुकने का इंतजार करते रहे, जबकि सार्वजनिक परिवहन से आने वाले लोग भी शेड और पार्किंग क्षेत्रों में रुके रहे। इससे कुछ समय के लिए पार्किंग क्षेत्र में भी भीड़ बढ़ गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि पश्चिमी गेट के पास जलनिकासी व्यवस्था लंबे समय से समस्या बनी हुई है। नालियां चोक होने के कारण बारिश का पानी सड़क पर भर जाता है, जिससे हर बरसात में पर्यटकों और स्थानीय लोगों को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

बरी होने के बाद बृजभूषण का शक्ति प्रदर्शन

अयोध्या में समर्थकों ने भव्य स्वागत कर नारे लगाए

यूनिक समय, गोंडा। महिला पहलवानों से जुड़े मामले में अदालत से बरी होने के बाद पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह पहली बार अयोध्या पहुंचे, जहां समर्थकों ने उनका जोरदार स्वागत किया। एयरपोर्ट से लेकर गोंडा तक निकाली गई रैली में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए और रास्ते भर फूल बरसाए गए। इस दौरान उन्होंने हनुमानगढ़ी में दर्शन कर संतों का आशीर्वाद भी लिया। जनसभा को संबोधित करते हुए बृजभूषण ने अपने ऊपर लगे आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि उन्होंने किसी के साथ अनुचित व्यवहार नहीं किया और मेडल पहनाने के दौरान हुए सामान्य स्पर्श को गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया। उन्होंने कहा कि यदि आरोप सिद्ध होते तो वह स्वयं सजा स्वीकार करने को तैयार थे। पूर्व सांसद ने विपक्ष पर भी निशाना साधते हुए कहा कि राजनीतिक विरोधियों ने विभिन्न समूहों के माध्यम से उन्हें घेरने का प्रयास किया। उन्होंने यह भी कहा कि यदि फैसले को उच्च न्यायालय में चुनौती दी जाती है तो वह कानूनी प्रक्रिया का सामना करने के लिए तैयार हैं।

राजपाल यादव के पैतृक घर पर कुर्की नोटिस चस्पा

बकाया ऋण नहीं चुकाने पर नीलामी की चेतावनी

परिवार बोला- बैंक से समझौते की जारी है प्रक्रिया

यूनिक समय, शाहजहांपुर। बॉलीवुड अभिनेता राजपाल यादव की आर्थिक परेशानियां एक बार फिर चर्चा में हैं। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर स्थित उनके पैतृक घर पर सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने बकाया ऋण की वसूली को लेकर कुर्की का नोटिस चस्पा किया है। बैंक के अनुसार अभिनेता की पत्नी और मां के नाम पर लिए गए लगभग 16.61 करोड़ रुपये के ऋण का भुगतान लंबित है। नोटिस में कहा गया है कि निर्धारित अवधि के भीतर बकाया राशि जमा नहीं होने पर संपत्ति की नीलामी की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। बैंक ने नीलामी के लिए 9 सितंबर की संभावित तारीख भी तय की है।

बताया जा रहा है कि नोटिस लगाए जाने के कुछ समय बाद परिवार के लोगों ने उसे हटा दिया। अभिनेता के बड़े भाई ने कहा कि यह पुराना मामला है और बैंक के साथ भुगतान को लेकर बातचीत चल रही है। उनका दावा है कि दोनों पक्ष समाधान निकालने का प्रयास कर रहे हैं और स्थिति जल्द स्पष्ट हो जाएगी।

बैंक अधिकारियों ने बताया कि इसी ऋण प्रकरण में दो वर्ष पहले भी संपत्ति पर नोटिस लगाया गया था, जिसके बाद भुगतान संबंधी सहमति बनी थी। वहीं, हाल ही में चेक बाउंस से जुड़े मामलों में भी राजपाल यादव को अदालत से कानूनी झटका लग चुका है। यह विवाद उनकी फिल्म निर्माण परियोजना के लिए लिए गए ऋण और उसके भुगतान से जुड़ा बताया जाता है। फिलहाल बैंक की कार्रवाई और भुगतान प्रक्रिया पर सभी की नजर बनी हुई है।

सड़क हादसे में अतीक अहमद के बेटे अबान की मौत

झांसी जाते समय डिवाइडर से टकराई तेज रफ्तार कार

दो की मौत, तीन घायल, हादसे की जांच जारी

यूनिक समय, प्रयागराज। प्रयागराज से झांसी जा रहे माफिया अतीक अहमद के सबसे छोटे बेटे अबान की सड़क हादसे में मौत हो गई। गुरुवार सुबह वह अपने बड़े भाई अली से मुलाकात के लिए झांसी जेल जा रहा था। उसके साथ क्रेटा कार में चार अन्य लोग भी सवार थे। झांसी से पहले पूंछ थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसके कई हिस्से सड़क पर बिखर गए।

हादसे के बाद स्थानीय लोगों और पुलिस ने कार का दरवाजा तोड़कर सभी घायलों को बाहर निकाला। अबान और उसके साथी सोनू की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायलों को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज भेजा गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे से पहले वाहन के सामने अचानक जानवर आने या सड़क पर अवरोध होने के कारण चालक का संतुलन बिगड़ गया, हालांकि पुलिस दोनों संभावित कारणों की जांच कर रही है।

पुलिस के अनुसार अबान आगे की सीट पर बैठा था और उसके सिर में गंभीर चोटें आईं, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। हादसे के बाद मामले की जांच शुरू कर दी गई है और दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की वर्ष 2023 में प्रयागराज में पुलिस अभिरक्षा के दौरान हत्या कर दी गई थी, जबकि परिवार के अन्य सदस्यों से जुड़े कई मामले अब भी न्यायिक प्रक्रिया में हैं।

ट्रायल कोर्ट का बरी आदेश हाईकोर्ट ने पलटा

तरुण तेजपाल को दस वर्ष की सजा

यूनिक समय, नई दिल्ली। तहलका पत्रिका के पूर्व संपादक तरुण तेजपाल को 2013 के चर्चित दुष्कर्म मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट की गोवा पीठ ने दोषी ठहराते हुए 10 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने तेजपाल को दो सप्ताह के भीतर सरेंडर करने का निर्देश भी दिया है। इससे पहले वर्ष 2021 में गोवा की ट्रायल कोर्ट ने सबूतों के अभाव का हवाला देते हुए उन्हें बरी कर दिया था, लेकिन गोवा सरकार ने इस फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी।

हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि निचली अदालत ने उपलब्ध साक्ष्यों का समुचित मूल्यांकन नहीं किया और पीड़िता के घटना के बाद के व्यवहार को अनावश्यक महत्व दिया। अदालत ने यह भी माना कि तेजपाल द्वारा भेजे गए माफी वाले ई-मेल जैसे महत्वपूर्ण साक्ष्यों पर पर्याप्त विचार नहीं किया गया। इन्हीं आधारों पर ट्रायल कोर्ट का फैसला पलटते हुए उन्हें भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत दोषी करार दिया गया।

यह मामला नवंबर 2013 का है, जब तहलका की एक महिला पत्रकार ने आरोप लगाया था कि गोवा में आयोजित थिंक फेस्ट के दौरान होटल की लिफ्ट में तरुण तेजपाल ने दो बार उसका यौन उत्पीड़न किया। शिकायत पहले संगठन के भीतर दर्ज कराई गई, जिसके बाद मामला सार्वजनिक होने पर गोवा पुलिस ने स्वतः संज्ञान लेकर एफआईआर दर्ज की थी। जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज, ई-मेल और

दुष्कर्म मामले में तेजपाल दोषी

दो सप्ताह में सरेंडर करने का आदेश

गवाहों के बयान समेत कई साक्ष्य एकत्र किए गए थे।

फैसले के बाद तरुण तेजपाल ने कहा कि वे इस निर्णय से निराश हैं और इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देंगे। उनका कहना है कि ट्रायल कोर्ट ने उन्हें पहले ही बरी कर दिया था और वे न्यायिक प्रक्रिया के तहत आगे कानूनी विकल्प अपनाएंगे। हाईकोर्ट के इस फैसले के साथ करीब 13 वर्ष पुराने चर्चित मामले में नया कानूनी मोड़ आ गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने आसाराम को अंतरिम जमानत देने से किया इनकार

यूनिक समय, नई दिल्ली। जोधपुर के चर्चित नाबालिग दुष्कर्म मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे आसाराम को फिलहाल सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम जमानत नहीं मिली। सर्वोच्च अदालत ने स्वास्थ्य आधार पर दायर उनकी याचिका पर तत्काल राहत देने से इनकार करते हुए कहा कि यदि भविष्य में उनकी तबीयत अधिक खराब होती है तो वे दोबारा अंतरिम जमानत की मांग कर सकते हैं।

अदालत ने याचिका लंबित रखते हुए चिकित्सा स्थिति पर नजर बनाए रखने की बात कही। सुनवाई के दौरान राजस्थान सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि आसाराम ने हाईकोर्ट से मिली 20 दिन की पेरोल का तथ्य सुप्रीम कोर्ट के समक्ष नहीं बताया। इससे पहले अदालत ने एम्स से विस्तृत मेडिकल रिपोर्ट मांगी थी। रिपोर्ट में कहा गया कि

स्वास्थ्य बिगड़ने पर नई याचिका दायर करने की मिली थी अनुमति

अस्पताल में भर्ती करने की आवश्यकता नहीं है, लेकिन चौबीसों घंटे चिकित्सकीय निगरानी जरूरी है। उल्लेखनीय है कि राजस्थान हाईकोर्ट पहले ही आसाराम की उम्रकैद की सजा को बरकरार रख चुका है, जबकि मामले में उनकी अपील सुप्रीम कोर्ट में लंबित है।

खरगे ने प्रधानमंत्री और गृह मंत्री पर साधा निशाना

छात्र कार्रवाई पर संसद में जवाब मांगती रही कांग्रेस

प्रधानमंत्री से माफी और गृह मंत्री से स्पष्टीकरण की मांग

यूनिक समय, नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने छात्र प्रदर्शन से जुड़े कथित बल प्रयोग के मुद्दे पर केंद्र सरकार को घेरा। गुरुवार को आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा कि संसद का सत्र कई दिनों से चल रहा है, लेकिन केंद्रीय गृह मंत्री सदन में बयान देने नहीं आ रहे और प्रधानमंत्री भी चर्चा में शामिल नहीं हो रहे। खरगे ने आरोप लगाया कि सरकार इस गंभीर विषय पर जवाब देने से बच रही है। उन्होंने कहा कि यदि छात्रों के साथ कथित लाठीचार्ज और पैलेट गन के इस्तेमाल जैसी घटनाएं हुई हैं तो सरकार को सदन में स्पष्ट जवाब देना चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री से छात्रों से माफी मांगने की मांग भी दोहराई। उनका कहना था कि लोकतंत्र में संसद जवाबदेही का सर्वोच्च मंच है और ऐसे संवेदनशील मामलों पर सरकार की चुप्पी उचित नहीं मानी जा सकती। उन्होंने आग्रह किया कि गृह मंत्री सदन में उपस्थित होकर पूरे घटनाक्रम पर अपना आधिकारिक बयान दें।

चार राज्यों में नकली घी और मसाला कारोबार हुआ बेनकाब

यूनिक समय, नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में खाद्य पदार्थों में मिलावट के बड़े नेटवर्क का खुलासा हुआ है। गुजरात, पंजाब, उत्तर प्रदेश और तेलंगाना में पुलिस तथा खाद्य सुरक्षा विभाग की संयुक्त कार्रवाई में नकली घी और मिलावटी मसालों का भारी जखीरा बरामद किया गया। अहमदाबाद में पुलिस ने एक ऐसी फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया, जहां पामोलिन ऑयल और रासायनिक पदार्थों की मदद से नकली घी तैयार कर बाजार में असली देशी घी के नाम पर बेचा जा रहा था। कार्रवाई के दौरान करीब 30 हजार लीटर नकली घी और बड़ी मात्रा में रासायनिक पदार्थ जब्त किए गए। अधिकारियों के अनुसार बरामद सामग्री की कीमत करोड़ों रुपये आंकी गई है।

जांच में सामने आया कि फैक्ट्री संचालक पहले भी इसी तरह के मामले में पकड़ा जा चुका था। पुलिस का दावा है कि यहां से गुजरात के अलावा पंजाब, राजस्थान और महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में आपूर्ति की जाती थी। इसी कड़ी में पंजाब के लुधियाना में भी लगभग तीन हजार लीटर संदिग्ध घी बरामद किया गया, जिसे जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है।

उत्तर प्रदेश के कानपुर में खाद्य सुरक्षा विभाग ने नकली मसाले बनाने वाली फैक्ट्री पर छापा मारकर बड़ी मात्रा में मिलावटी हल्दी, मिर्च और धनिया पाउडर जब्त किया। जांच में पता चला कि चावल के पाउडर, लकड़ी के बुरादे और कृत्रिम रंगों का उपयोग कर मसाले

अहमदाबाद से 30 हजार लीटर नकली घी हुआ बरामद

कानपुर और हैदराबाद में भी मिलावट के खेल का भंडाफोड़

तैयार किए जा रहे थे। वहीं हैदराबाद में पुलिस ने विभिन्न दुकानों से रसायनों से चमकाए गए जीरे और लौंग बरामद किए। अधिकारियों ने चेतावनी दी कि मिलावटखोरों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। विशेषज्ञों ने उपभोक्ताओं से प्रमाणित ब्रांड और विश्वसनीय विक्रेताओं से ही खाद्य सामग्री खरीदने की अपील की है।

म्यांमार सीमा समझौते की अटकलों पर मणिपुर में विरोध

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत और म्यांमार के बीच लंबित सीमा विवाद को सुलझाने के लिए संभावित जमीन अदला-बदली की खबरों ने मणिपुर में राजनीतिक और सामाजिक हलकों में नई बहस छेड़ दी है। विभिन्न स्थानीय संगठनों ने प्रस्तावित सीमा समझौते की अटकलों पर कड़ा विरोध जताते हुए राज्य की क्षेत्रीय अखंडता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं करने की चेतावनी दी है। विवाद उस समय

चर्चा में आया जब एक अंतरराष्ट्रीय पत्रिका की रिपोर्ट में दावा किया गया कि दोनों देशों के बीच सीमा के एक अनसुलझे हिस्से पर समाधान के लिए भूमि विनिमय के विकल्प पर विचार

जमीन अदला-बदली की खबरों से स्थानीय लोगों की बढ़ी नाराजगी

किया जा रहा है। हालांकि विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने ऐसे किसी प्रस्ताव की पुष्टि नहीं की, लेकिन यह स्वीकार किया कि भारत-म्यांमार सीमा के कुछ हिस्सों का सीमांकन अभी बाकी है और इस संबंध में बातचीत जारी है। भारत और म्यांमार के बीच लगभग 1,643 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा है, जिसमें कुछ क्षेत्र अब भी विवादित हैं। मणिपुर के नागरिक संगठन का कहना है कि जनता की सहमति के बिना राज्य की भूमि से जुड़ा कोई भी निर्णय स्वीकार्य नहीं होगा।

स्थानीय संगठनों ने सरकार से पारदर्शिता बरतने और राज्य के हितों की रक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

हिंदू राष्ट्र पर यतींद्र सिद्धारमैया के बयान से गहराया विवाद

अगर हिन्दू राष्ट्र की होती है स्थापना, तो दमनकारी व्यवस्था लौट सकती है

बयान के बाद सियासी प्रतिक्रियाएं तेज होने के आसार

यूनिक समय, नई दिल्ली। कर्नाटक सरकार में शहरी विकास मंत्री यतींद्र सिद्धारमैया के हिंदू राष्ट्र संबंधी बयान को लेकर राजनीतिक विवाद गहरा गया है। बीदर में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि यदि भारत हिंदू राष्ट्र बनता है तो दमनकारी व्यवस्था लौट सकती है। उन्होंने बिना किसी दल का नाम लिए आरोप लगाया कि कुछ सांप्रदायिक ताकतें धर्म के माध्यम से समाज को प्रभावित कर दमनकारी व्यवस्था स्थापित करना चाहती हैं। उन्होंने लोगों से ऐसी प्रवृत्तियों का लोकतांत्रिक और अहिंसक तरीके से विरोध करने का आह्वान किया। यतींद्र ने कहा कि सामाजिक एकजुटता से ही राजनीतिक अधिकार सुरक्षित किए जा सकते हैं और सभी वर्गों के उत्थान का मार्ग प्रशस्त होगा। उनके बयान के बाद राजनीतिक हलकों में तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आने लगी हैं। भाजपा और उसके सहयोगी दल इस बयान को हिंदू आस्था के खिलाफ बताते हुए कांग्रेस पर निशाना साध सकते हैं, जबकि कांग्रेस संविधान और धर्मनिरपेक्ष व्यवस्था की रक्षा की अपनी प्रतिबद्धता दोहराती रही है। आने वाले दिनों में यह मुद्दा राज्य की राजनीति में प्रमुख बहस बन सकता है।

रेजिडेंट डॉक्टरों की हड़ताल पर हाईकोर्ट हुआ सख्त

काम नहीं तो वेतन रोकने की दी चेतावनी

हड़ताल समाप्त कर सेवाएं बहाल करने का दिया निर्देश

यूनिक समय, नई दिल्ली। महाराष्ट्र में रेजिडेंट डॉक्टरों की जारी हड़ताल पर बोम्बे हाईकोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है। स्वतः संज्ञान लेते हुए अदालत ने स्पष्ट कहा कि यदि डॉक्टर काम पर नहीं लौटते हैं तो उनका वेतन भी रोका जाना चाहिए। अदालत ने टिप्पणी की कि सरकारी अस्पतालों में मरीजों की जान से खिलवाड़ स्वीकार नहीं किया जा सकता और यदि हड़ताल के दौरान किसी मरीज की मृत्यु होती है तो स्थिति बेहद गंभीर होगी। कोर्ट ने आंदोलनकारी डॉक्टरों को तत्काल काम पर लौटने का निर्देश दिया।

रेजिडेंट डॉक्टर महाराष्ट्र सरकार के उस निर्णय का विरोध कर रहे हैं, जिसमें कुछ होम्योपैथी चिकित्सकों को महाराष्ट्र मेडिकल काउंसिल के तहत पंजीकरण और निर्धारित शर्तों के साथ एलोपैथिक दवाएं लिखने की अनुमति देने की प्रक्रिया शुरू की गई है। आंदोलनकारी डॉक्टरों का कहना है कि इस मुद्दे पर अंतिम न्यायिक निर्णय से पहले पंजीकरण शुरू करना उचित नहीं है। उनका तर्क है कि केवल ब्रिज कोर्स के आधार पर एलोपैथिक चिकित्सा का अधिकार देना मरीजों की सुरक्षा से जुड़ा गंभीर विषय है। फिलहाल आपातकालीन सेवाएं सीमित रूप से जारी हैं, जबकि ओपीडी, नियमित ड्यूटी और वैकल्पिक सर्जरी प्रभावित हो रही हैं। अदालत ने सभी पक्षों से जल्द समाधान निकालने की आवश्यकता पर जोर दिया।

स्वतंत्रता दिवस से पहले दिल्ली में हाई अलर्ट आतंकी संगठनों से खतरे की आशंका

यूनिक समय, नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस से पहले राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। खुफिया सूचनाओं के आधार पर लाल किले सहित सभी प्रमुख सरकारी भवनों, रेलवे स्टेशनों, बस अड्डों और संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी गई है। प्रधानमंत्री के संबोधन को देखते हुए समारोह स्थल पर लगभग 12 हजार पुलिसकर्मियों के साथ विभिन्न सुरक्षा एजेंसियां तैनात रहेंगी। एआई आधारित सीसीटीवी कैमरों, क्विक रिएक्शन टीम, स्वाट कमांडो, स्नाइपर, बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड को भी सुरक्षा व्यवस्था में शामिल किया गया है।

तिरंगा महोत्सव को जन आंदोलन बनाने में जुटा प्रशासन

नौ से 17 अगस्त तक हर घर तिरंगा लगाने की डीएम ने की अपील

तिरंगा रैली, सांस्कृतिक कार्यक्रम और वंदे मातरम् गायन होंगे आयोजित

होटल, बाजार, स्कूल और सरकारी भवनों पर तिरंगा रोशनी के निर्देश

कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हर घर तिरंगा अभियान की बैठक में डीएम चंद्रप्रकाश सिंह, साथ हैं अन्य अधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में भारत सरकार के 'हर घर तिरंगा अभियान-2026' को सफल बनाने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। डीएम चंद्र प्रकाश सिंह ने जनपदवासियों, व्यापारियों, होटल संचालकों, आश्रमों, रेस्टोरेंट, गेस्ट हाउस, ढाबों, पेट्रोल पंपों, अस्पतालों, गैस एजेंसियों और अन्य प्रतिष्ठानों से नौ से 17 अगस्त तक अपने घरों और संस्थानों पर तिरंगा और तिरंगा लाइटिंग लगाने की अपील की है।

डीएम ने बताया कि अभियान के तहत तिरंगा फहराने के साथ सामूहिक वंदे मातरम् गायन किया जाएगा। वहीं डिजिटल माध्यम से नागरिक तिरंगे के साथ सेल्फी लेकर हर घर तिरंगा पोर्टल पर अपलोड करेंगे। जनपद के सभी विद्यालयों और महाविद्यालयों में विभिन्न प्रतियोगिताएं, तिरंगा रैलियां, देशभक्ति गीत, सांस्कृतिक कार्यक्रम और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के सम्मान समारोह आयोजित किए जाएंगे।

उन्होंने नगर निगम और मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण को प्रमुख चौराहों, मार्गों और सार्वजनिक स्थलों को तिरंगा थीम पर सजाने, प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा तिरंगा मेले, स्वयं सहायता समूहों और स्थानीय उत्पादों की प्रदर्शनियों का भी आयोजन किया जाएगा। डीएम ने कहा कि पंचायत सचिवालयों, अमृत सरोवरों, सरकारी-निजी संस्थानों, शहीद स्मारकों और बाजारों में भी ध्वजारोहण किया जाएगा। उन्होंने नागरिकों से राष्ट्रीय ध्वज संहिता का पालन करने की अपील करते हुए कहा कि तिरंगे का सम्मान सर्वोपरि है। अभियान समाप्त होने के बाद ध्वज को सम्मानपूर्वक उतारकर सुरक्षित रखा जाए, किसी भी स्थिति में फटा, क्षतिग्रस्त या आधा झुका तिरंगा न लगाया जाए। यह अभियान देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और जनभागीदारी की भावना को मजबूत करने का माध्यम बनेगा। बैठक में जिलास्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

नंदबाबा के आंगन से गूंजे श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति के स्वर

हिंदू पक्षकार महेंद्र प्रताप के दिशा-निर्देश पर चला जनजागरण अभियान

घर-घर कराए हस्ताक्षर मंदिर तोड़े जाने संबंधी साक्ष्यों का साहित्य वितरित

श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति को लेकर चलाए गए जनजागरण के दौरान पत्रक दिखाते सहयोगी।

यूनिक समय, नंदगांव। ब्रज के प्रमुख तीर्थ श्री नंदबाबा मंदिर परिसर से गुरुवार को श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति को लेकर व्यापक जनजागरण अभियान चलाया गया। हिंदू पक्षकार महेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट के निर्देशन में आयोजित इस अभियान के तहत मंदिर दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के साथ-साथ स्थानीय ग्रामीणों को भी श्रीकृष्ण जन्मभूमि प्रकरण, न्यायालय में चल रही कानूनी प्रक्रिया, ऐतिहासिक साक्ष्यों की जानकारी दी गई। अभियान के दौरान घर-घर संपर्क कर हस्ताक्षर कराए गए और विषय से संबंधित पुस्तिकाएं और पंपलेट वितरित किए गए।

श्री नंदबाबा मंदिर के प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में संत श्यामानंद ने इस विषय से जुड़े ऐतिहासिक तथ्यों और न्यायालय में चल रही प्रक्रिया की जानकारी दी। बताया कि हिंदू पक्षकार महेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट लंबे समय से न्यायालय में इस मामले की पैरवी कर रहे हैं और जनसमर्थन के माध्यम से समाज को इस विषय के प्रति जागरूक करने का अभियान चलाया जा रहा है।

कार्यक्रम के दौरान हिंदू पक्षकार महेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मंदिर के सेवायतों, अभियान से जुड़े कार्यकर्ताओं से संवाद किया।

अभियान के साथ चले हस्ताक्षर अभियान में बड़ी संख्या में ग्रामीणों, श्रद्धालुओं और महिलाओं ने भाग लिया। महिलाओं ने भी हस्ताक्षर कर अभियान के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया। आयोजकों के अनुसार, आने वाले दिनों में यह हस्ताक्षर अभियान ब्रज के अन्य गांवों और नगरों में भी चलाया जाएगा।

इस अवसर पर श्री नंदबाबा मंदिर के सेवायत जगदीश गोस्वामी, कान्हा गोस्वामी, सोनू गोस्वामी, गोविंद गोस्वामी, दान बिहारी गोस्वामी, योगेश गोस्वामी, रवि गोस्वामी, शिवहरि गोस्वामी, पंकज गोस्वामी, दीपक गोस्वामी, शशिकांत, अटल गोस्वामी, गोपाल गोस्वामी, हीरा, बलदेव गोस्वामी सहित विभिन्न प्रांतों से आए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

डा. देवेन्द्र अध्यक्ष और डा. भूदेव बने जनरल सेक्रेटरी

प्रांतीय चिकित्सा सेवा संघ के अध्यक्ष बने डा.देवेन्द्र और जनरल सेक्रेटरी डा.भूदेव सिंह का स्वागत करते हुए सीएमओ राधावल्लभ, साथ हैं डॉक्टर।

यूनिक समय, मथुरा। प्रांतीय चिकित्सा सेवा संघ की जिला इकाई का चुनाव गुरुवार को सीएमओ कार्यालय में शांतिपूर्ण माहौल में हुआ। चुनाव के बाद डा. संजीव यादव और जिला रिटर्निंग ऑफिसर डा. अनुज चौधरी ने नई कार्यकारिणी की घोषणा की। घोषित परिणामों के अनुसार डा. देवेन्द्र अग्रवाल को अध्यक्ष और डा. भूदेव सिंह को जनरल सेक्रेटरी चुना गया। इसके अलावा डा. रामवीर सिंह, डा. चंदन आनंद उपाध्यक्ष, डा. स्वाति जाडिया उपाध्यक्ष, डा. गिरेन्द्र पाल सिंह केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य, डा. नीरज कुमार सिंह कोषाध्यक्ष, डा. नीरज सिंह (दंत चिकित्सक) को एडिटर की जिम्मेदारी सौंपी गई। चुनाव होने के बाद मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. राधावल्लभ ने नव-निर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए आशा जताई कि नई कार्यकारिणी चिकित्सकों के हितों की रक्षा के साथ-साथ स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस अवसर पर मौजूद चिकित्सकों ने भी नव-निर्वाचित टीम का स्वागत किया और संगठन को मजबूत बनाने के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

तीन स्वर्ण पदक विजेता मोहिनी का सम्मान

16 अगस्त को होगा मेधावी छात्र सम्मान समारोह

स्वर्ण पदक विजेता मोहिनी को सम्मानित करते सर्वोदयी ब्राह्मण विकास संस्थान के पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। सर्वोदयी ब्राह्मण विकास संस्थान की बैठक जगन्नाथपुरी स्थित इंटर कार्यालय में संस्थान के अध्यक्ष पंडित सोहनलाल शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक का शुभारंभ भगवान परशुराम के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया।

बैठक में हाल ही में एलएलबी परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर राज्यपाल द्वारा तीन स्वर्ण पदकों से सम्मानित की गई। मोहिनी शर्मा को संस्थान की ओर से माला, पटका, दुशाला एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। पदाधिकारियों ने उनकी उपलब्धि को समाज के लिए गौरवपूर्ण बताते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। संस्थान ने 44 वें विशाल मेधावी छात्र सम्मान समारोह की घोषणा भी की। यह समारोह 16 अगस्त को दोपहर 2 बजे चित्रकूट, मसानी में आयोजित होगा। मेधावियों को लैपटॉप, डेस्कटॉप कंप्यूटर, स्मार्टफोन सहित अन्य पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

संस्थान ने बताया कि यूपी बोर्ड के 75 प्रतिशत, सीबीएसई एवं अन्य बोर्डों के 90 प्रतिशत या अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राएं, जबकि उच्च शिक्षा में 75 प्रतिशत अंक पाने वाले विद्यार्थी आठ अगस्त तक अपनी अंकतालिका की छायाप्रति, पता एवं मोबाइल नंबर निर्धारित केंद्रों पर जमा करा सकते हैं। बैठक में नारायण प्रसाद शर्मा, दिलीप पांडे, जयगोपाल शर्मा, सुरेंद्र शर्मा, दिवाकर आचार्य, पी.पी. शर्मा, मुकुटमणि शर्मा, कपिल कौशिक, राकेश गौड़ सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

बीएसए कॉलेज एमसीए विभाग गढ़ रहा सफल तकनीकी करियर

यूनिक समय, मथुरा। बीएसए कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, मथुरा का मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन्स (एमसीए) विभाग गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा, आधुनिक शिक्षण पद्धतियों और उद्योगोन्मुख प्रशिक्षण के माध्यम से विद्यार्थियों के उज्ज्वल करियर निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

कॉलेज के चेयरमैन एडवोकेट उमाशंकर अग्रवाल ने बताया कि विभाग में विद्यार्थियों को प्रोजेक्ट आधारित शिक्षण, तकनीकी कार्यशालाएं, इंडस्ट्री एक्सपर्ट सेशन, कोडिंग प्रैक्टिस, हैकाथॉन, सेमिनार, सॉफ्ट स्किल्स और एप्टीट्यूट ट्रेनिंग के साथ व्यक्तित्व विकास कार्यक्रमों से व्यावसायिक चुनौतियों के लिए तैयार किया जाता है। वाइस चेयरमैन इंजीनियर नितिन मित्तल और निदेशक प्रो. श्याम सुंदर अग्रवाल ने कहा कि अनुभवी शिक्षकों के मार्गदर्शन, आधुनिक प्रयोगशालाओं और अनुशासित शैक्षणिक वातावरण से विद्यार्थियों में तकनीकी दक्षता, नवाचार, समस्या समाधान क्षमता, संचार कौशल और नेतृत्व क्षमता का निरंतर विकास हो रहा है। एमसीए विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश सिंह ने बताया कि विभाग के छात्र देश की कई प्रतिष्ठित आईटी और कॉर्पोरेट कंपनियों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। विभाग के विद्यार्थियों को टीसीएस, माइक्रोसॉफ्ट, आईबीएम, इन्फोसिस, मैपमाईइंडिया, ग्लैक्सफॉरग्लैक्स, एक्सियम कंसल्टिंग, जारो एजुकेशन, ई2ई रिसर्च, ईजी ईआरपी टेक्नोलॉजीज, आईपीएच टेक्नोलॉजीज, एआईएचआईफ्यूजन टेक्नोलॉजीज, जेबिया और इंडिगो एयरलाइंस सहित कई प्रतिष्ठित संस्थानों में रोजगार मिला है, जिससे संस्थान का गौरव बढ़ा है।

वरिष्ठ व्यापारियों का सम्मान, एकता और संगठन पर दिया जोर

घीया मंडी व्यवसाय समिति की नई कार्यकारिणी ने ली शपथ

प्रशासन ने व्यापारियों की समस्याओं के त्वरित समाधान का दिलाया भरोसा

कार्यक्रम में वरिष्ठ व्यापारी को सम्मानित करते आयोजक।

यूनिक समय, मथुरा। घीया मंडी व्यवसाय समिति की नवनियुक्त कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह-वरिष्ठ व्यापारी सम्मान समारोह चित्रकूट सभागार में उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम में व्यापारी एकता जिंदाबाद के नारों और तालियों की गड़गड़ाहट के बीच बड़ी संख्या में व्यापारी, सामाजिक प्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी शामिल हुए।

कार्यक्रम का शुभारंभ भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष-पूर्व मंत्री रविकांत गर्ग, सीओ सिटी आशना चौधरी, अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह, तहसीलदार सदर अमित मिश्रा सहित अन्य अतिथियों ने भामाशाह के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर किया। नगर अध्यक्ष सुनील अग्रवाल ने समिति के नवनियुक्त पदाधिकारियों को पद-गोपनीयता की शपथ दिलाई, जबकि नगर महामंत्री शशिभानु गर्ग ने कार्यकारिणी सदस्यों को शपथ ग्रहण कराई। इस दौरान क्षेत्र के वरिष्ठ-संरक्षक व्यापारियों को दुपट्टा ओढ़ाकर और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि रविकांत गर्ग ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था में व्यापारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने संगठन की मजबूती, व्यापारी एकता और सामाजिक जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया। सीओ सिटी आशना चौधरी ने व्यापारियों की सुरक्षा को पुलिस की प्राथमिकता बताते हुए हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया। अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह और तहसीलदार अमित मिश्रा ने नगर निगम और राजस्व विभाग से जुड़ी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान कराने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में नगर अध्यक्ष सुनील अग्रवाल, जिला महामंत्री संजू लाला, वरिष्ठ नगर मंत्री विकास जिंदल, मूलचंद गर्ग, राजेंद्र सिंह सहित अनेक वक्ताओं ने व्यापारी हितों की रक्षा के लिए संगठन को मजबूत बनाने पर बल दिया। नवनियुक्त अध्यक्ष अजय खंडेलवाल ने सभी अतिथियों-व्यापारियों का आभार व्यक्त किया, संचालन महामंत्री धर्मवीर अग्रवाल ने किया।

इस अवसर पर बालमुकुंद अग्रवाल, गोविंद गर्ग, पंकज गर्ग, अशोक अग्रवाल, संजय खंडेलवाल, मुकेश शर्मा, बसंत खंडेलवाल, संजय शर्मा, मनोज अग्रवाल, कन्हैयालाल अग्रवाल, अजय गुप्ता, अमित खंडेलवाल, कन्हैया लाल अग्रवाल, जितेंद्र अग्रवाल, आशीष अग्रवाल, अमित अग्रवाल, संजय अग्रवाल, अनूप अग्रवाल, राजकुमार गुप्ता, राजेश गुप्ता, उपेंद्र चतुर्वेदी, आशीष खंडेलवाल, विशाल वर्मा, अमित गोस्वामी, हेमंत चतुर्वेदी, दिलीप अग्रवाल, केके भारद्वाज, सौरभ गुप्ता, यश सराफ, कलुआ खंडेलवाल, फहीम भाई, सोनू अग्रवाल, प्रशांत वर्मा, बंशीधर, अमित गोस्वामी आदि सैकड़ों व्यापारी उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय डेयरी कॉन्क्लेव में किसानों को दी योजनाओं की जानकारी

यूनिक समय, मथुरा। राजीव भवन सभागार में एक दिवसीय जिला स्तरीय डेयरी कॉन्क्लेव-2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि दुग्ध संघ के सभापति चौधरी रणवीर सिंह, परियोजना निदेशक जिला ग्राम्य विकास अभिकरण अरुण कुमार उपाध्याय और मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. नरेंद्र नारायण शुक्ला ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर दुग्ध निरीक्षक अनिल कुमार गुप्ता ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

कॉन्क्लेव में नंदबाबा दुग्ध मिशन के अंतर्गत संचालित मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ संवर्धन योजना, मिनी नंदिनी कृषक समृद्धि योजना, नंदिनी कृषक समृद्धि योजना, उत्तर प्रदेश दुग्ध प्रोत्साहन नीति-2022, चारा प्रबंधन प्रोत्साहन योजना और पशुपालन विभाग की अन्य योजनाओं की जानकारी किसानों को दी गई। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ संवर्धन योजना के तहत चयनित 14 महिला और 14 पुरुष लाभार्थियों को चयन पत्र भी वितरित किए गए। कार्यक्रम में सहकारिता विभाग के प्रतिनिधियों, पशुपालन विभाग के अधिकारियों और बड़ी संख्या में किसान भाई-बहनों ने भाग लिया।